INS ACCREDITED
यूनिकॉम एडवरटाइजिंग
unicomadvertising.com

प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी

यूनिक समय

डीएवीपी द्वारा मान्यता प्राप्त
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026–28

Sweety BY MR GROUP Presents
Unique Samay Update
uniquesamay.com

वर्ष-4 | अंक-106 | सांध्य दैनिक | मथुरा, शुक्रवार, 12 जून 2026 | पेज-12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | X.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

तूफान की भेंट चढ़े 180 खंभे, अंधेरे में आबादी

धूल भरी आंधी और तेज हवा ने बिगाड़ा बिजली का गणित

शहर से गांव तक पानी और बिजली के लिए तरसे लोग

यूनिक समय, मथुरा। तेज रफ्तार आंधी और तूफान ने गुरुवार रात जिले की बिजली व्यवस्था को ऐसा झटका दिया कि पूरा जिला अंधेरे में डूब गया। पहले से ही बिजली संकट से जूझ रहे लोगों की परेशानी उस समय कई गुना बढ़ गई, जब तूफानी हवाओं ने बिजली के पोल, ट्रांसफार्मर और लाइनों को ताश के पत्तों की तरह बिखेर दिया। हालात ऐसे रहे कि शहर से लेकर ग्रामीण अंचलों तक पूरी रात बिजली गुल रही, जबकि काफी गांवों में 24 घंटे बाद भी आपूर्ति बहाल नहीं हो सकी। बिजली कटने के साथ ही पानी का संकट भी गहरा गया। घरों की मोटरें बंद पड़ गईं और लोगों को बूंद-बूंद पानी के लिए इंतजार करना पड़ा। उमस भरी गर्मी में रातभर लोगों की नींद उड़ी गई। इनवर्टर जवाब दे गए और अंधेरे ने पूरे जिले को अपनी गिरफ्त में ले लिया।

तूफान के बाद बिजली विभाग की टीमें सड़कों, खेतों और गलियों में बिखरे विद्युत ढांचे को संभालने में जुट गईं।

गुरुवार रात आए तूफान की वजह से क्षतिग्रस्त बिजली लाइन।

कहीं खंभे जमीन पर पड़े मिले तो कहीं ट्रांसफार्मर झुक गए। विभागीय आंकड़ों के अनुसार, मथुरा क्षेत्र में 11 से 12 बिजली पोल और दो से तीन ट्रांसफार्मर क्षतिग्रस्त हुए हैं। मांट क्षेत्र में 11 से अधिक पोल और दो ट्रांसफार्मर खराब हो गए। कोसी क्षेत्र में लगभग 15 बिजली पोल धराशायी हो गए और पांच से अधिक ट्रांसफार्मर खराब हो गए। लक्ष्मीनगर क्षेत्र में भी 26 पोल टूट गए और आठ से ज्यादा ट्रांसफार्मर क्षतिग्रस्त हो गए।

तूफान की ताकत का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि कुछ ही घंटों में बिजली विभाग को करोड़ों रुपये के बुनियादी ढांचे का नुकसान उठाना पड़ा। जिले के कई हिस्सों में तार टूटकर सड़कों और खेतों में बिखर गए, जिससे आपूर्ति पूरी तरह चरमरा गई। बिजली विभाग के अधिकारी और कर्मचारी लगातार बहाली कार्य में जुटे हुए हैं। क्षतिग्रस्त पोल बदलने, ट्रांसफार्मर दुरुस्त करने और टूटी लाइनों को जोड़ने का काम युद्धस्तर पर चल रहा है। विभाग का दावा है कि प्रभावित क्षेत्रों में जल्द से जल्द बिजली आपूर्ति सामान्य करने का प्रयास किया जा रहा है। उधर, बिजली संकट से परेशान लोगों का गुस्सा भी बढ़ता जा रहा है। उनका कहना है कि सामान्य दिनों में ही बिजली की आंख-मिचौली जारी रहती है, अब तूफान के बाद हालात और बदतर हो गए हैं। कब बिजली व्यवस्था पटरी पर लौटे और अंधेरे से राहत मिले। फरह में भी तूफान ने बिजली विभाग को फिर हिला दिया। तूफान की वजह से कस्बा की सप्लाई इनकमिंग मशीन खराब होने से ठप हो गई, जिसे करीब आठ घंटे बाद सुचारू किया जा सका। गोवर्धन में 33 हजार केवी लाइन के पोल उखड़ गए, 11 हजार केवी के भी दर्जनों खंभे टूट गए। हालांकि, गोवर्धन क्षेत्र के कई एरिया में विद्युत सप्लाई चालू हो चुकी है, जबकि कुछ एरिया में 12 घंटे से अधिक समय से लाइट बंद पड़ी है।

पेड़ समेत गिरा खंभा।

चार बार आए अलर्ट, नागरिक रहे सचेत

गुरुवार शाम से शुक्रवार रात तक मौसम विभाग ने चार बार अलर्ट जारी किए। शाम को आए सचेत एप के अलर्ट के एक घंटे बाद तेज आंधी शुरू हो गई। इसके बाद तीन और अलर्ट आने से नागरिक सचेत रहे। सचेत करने वाले संदेश को लेकर व्यापारी विष्णु बसंल का कहना है कि यह सही है, इससे लोग सचेत होते है, इसका लोगों को लाभ भी मिल रहा है।

11 हजार केवी विद्युत लाइन में फॉल्ट, धूं-धूं कर जला पेड़

आग की घटना से मचा रहा हड़कंप

इलाके की बिजली रही पूरी रात गुल

यूनिक समय, मथुरा। थाना महावन के गोकुल इलाके में देर रात हाईवोल्टेज की लाइन के झूलते तारों में हुए शॉर्ट सर्किट से पेड़ में आग लग गई। पेड़ में लगी आग से इलाके में हड़कंप मच गया।

गोकुल इलाके में 11 हजार वोल्टेज की विद्युत लाइन के तार काफी ढीले हैं। हाई वोल्टेज लाइन के तार पेड़ के ऊपर से जा रहे हैं। बताया गया कि रात को करीब 11 बजे के बाद 11 हजार वोल्टेज के तार में हुए फॉल्ट से उसके नीचे खड़े पेड़ में आग लग गई। देखते ही देखते पेड़ धूं-धूकर जलने लगा। लोगों ने पेड़ को इस तरह जलते देखा तो लोगों में हड़कंप मच गया।

बिजली विभाग को भी लोगों ने फोन किया, आपूर्ति बंद कराने के बाद भी पेड़ से आग की तेज लपटें निकल रही थी। बिजली का आपूर्ति बंद होने के कारण पूरा इलाका रात में अंधकार में डूबा रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि बिजली अधिकारियों ने शिकायत के बावजूद तारों को सही नहीं करवाया है।

राया में पेड़, होर्डिंग्स गिरे, बिजली आपूर्ति ठप्प

यूनिक समय, राया। गुरुवार रात तेज रफ्तार आंधी- बारिश के दौरान ग्रामीण क्षेत्रो के अलावा कस्वा समेत ब्रज चौरासी कोस परिक्रमा मार्ग में लगे पांडाल, होर्डिंग्स, पेड़, विद्युत खम्बे टूटकर गिर गए। सैंकड़ों गांव अंधकार में डूब गये। इससे लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। वही गोकुल से राया आ रही 33 केवी लाइन पर पेड़ों की टहनियां गिरने से लाइन में फाल्ट हो गया। जिससे कस्वा राया उपकेंद्र , सोनई , अनोड़ा , नीमगांव फीडर की आपूर्ति ठप हो गयी। उपखंड अधिकारी देवेंद्र तिवारी ने अधिकारियों- कर्मचारियों के साथ लाइन को सुचारू करवाने का प्रयास किया। कर्मचारियों ने फाल्ट सही कर शुक्रवार की सुबह विधुत आपूर्ति सुचारू की।

तूफान ने एक झटके में उखाड़ दिए दरख्त

तूफान की वजह से गांव गिरधर पुर में उखड़ा पड़ा पेड़।

सौंख रोड स्थित अनाज मंडी में उखड़ा पड़ा पेड़।

शहर और देहात में जड़ से उखड़ गए सैंकडों पेड़

रात को वर्षा से मौसम सुहाना, अब तीन दिन वर्षा हो सकती है

यूनिक समय, मथुरा। मई के बाद जून में भी आ रहे आंधी- तूफान को दरख्त नहीं झेल पा रहे हैं। गुरुवार रात आए तूफान ने जिले में सैंकड़ों पुराने और नए पेड़ों को जड़ से उखाड़ दिया। गनीमत रही, कोई हादसा नही हुआ। वही, रात को हुई वर्षा से मौसम सुहाना हो गया। अब मौसम विभाग ने 15 जून तक तक आसमान में बादल छाए रहने के साथ एक या दो बार वर्षा होने का पूर्वानुमान जारी किया है।

बीती शाम गुरुवार को समूचे जिले में तेज गति से तूफान आया, इस दौरान धूल और गंदगी जमकर उड़ती रही। इस दौरान सैंकड़ों पेड़ तूफान का नहीं झेल सके और जड़ से उखड़ गए। सुबह काफी पेड़ जमीन पर गिरे हुए मिले। राष्ट्रीय राजमार्ग के अलावा औरंगाबाद, मंडी परिसर, गिरधर पुर और गोवर्धन क्षेत्र, फरह क्षेत्र और जिले के अन्य हिस्सों में भी काफी पेड़ उखड़ गए हैं।

वहीं, मौसम विभाग ने आगामी चार दिन के लिए मौसम का पूर्वानमान जारी किया है। शनिवार से 15 जून तक के लिए जारी किए गए पूर्वानमान में आसमान पर बादल छाए रहने और एक या दो बार बूंदाबांदी होने की संभावना जताई है। मौसम विज्ञानी नरेंद्र कुमार के अनुसार, 16 जून से मौसम साफ रहने के आसार हैं।

मजबूरी बनी बाल श्रम की पहचान

यूनिक समय, मथुरा। आज विश्व बाल श्रम निषेध दिवस है। काम करने वाले बच्चों के लिए काफी योजनाएं और विकास कार्यक्रम संचालित हैं, इसके बाद भी बाल श्रम का दंश पूरी तरह से नहीं मिट सका है। आज भी बच्चे पंक्चर जोड़ते और वाहन सफाई, मरम्मत करत दिखते हैं। दुकानों पर काम करते बच्चे योजनाओं का आइना दिखाते हैं।

हर साल 12 जून को विश्व बाल श्रम निषेध दिवस मनाया जाता है। इस दिन को मनाने का मुख्य उद्देश्य बाल श्रम की समस्या के खिलाफ जागरूकता बढ़ाना है और बच्चों को मजदूरी के शोषण से मुक्त कर शिक्षा और सुरक्षित बचपन प्रदान करना है। बाल श्रम को समाप्त करने के लिए समाज को जागरूक करना और बच्चों के मूल अधिकारों (शिक्षा, स्वास्थ्य) की रक्षा करना इस दिवस का उद् देश्य है, लेकिन ऐसा होता कम ही दिखता है। जिले में

मोपेड में पंचर लगाता एक किशोर। स्कूटी मरम्मत करता किशोर।

बाल श्रम की वजह गरीबी और आर्थिक तंगी है, इसी वजह से माता–पिता अपने बच्चों को काम पर भेजने के लिए मजबूर होते हैं। अशिक्षा भी इसकी मुख्य वजह है। बाल श्रम के पीछे नियोक्ताओं द्वारा अधिक मुनाफे के लिए कम पैसों में बच्चों से काम करवाना भी प्रमुख वजह है।

इसके अलावा जिले में बाल श्रम का मुख्य कारण कई परिवारों की आय कम होना है, जिसकी वजह से बच्चे भी कमाने के लिए काम करने लगते हैं।

बच्चों को शोषण से मुक्त कराने का सपना अधूरा

कार्रवाई और योजना के बाद भी काम करते हैं बच्चे

परिवार की आर्थिक सहायता के लिए उन्हें दुकानों, ढाबों, कारखानों और अन्य छोटे व्यवसायों में लगा दिया जाता है। वहीं, कुछ बच्चों का स्कूल में नामांकन नहीं होता या वे बीच में पढ़ाई छोड़ देते हैं। शिक्षा की कमी बाल श्रम को बढ़ावा देती है। मथुरा के बाजारों, कार्यशालाओं, होटलों और छोटे प्रतिष्ठानों में सस्ते श्रमिकों की मांग रहती है, जिससे बच्चों को काम पर रखा जाता है। हाल के निरीक्षणों में मथुरा के बाजारों में कई नाबालिग बच्चे काम करते पाए गए।

सत्ता का आनंद लेने वाले ढोंगियों से खबरदार रहने की जरूरत: अविमुक्तेश्वरानंद

मीडिया से बात करते ज्योतिषपीठ के जगदगुरु शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती।

यूनिक समय, छाता/गोवर्धन। उत्तर प्रदेश की सभी विधानसभा क्षेत्रों की पदयात्रा पर निकले ज्योतिषपीठ के जगदगुरु शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती आज छाता विधानसभा क्षेत्र पहुंचे। उन्होंने स्थानीय लोगों से सीधा संवाद किया और गो माता को राज्यमाता और राष्ट्रमाता घोषित करने की अपनी मांग को एक बार फिर पुरजोर तरीके से दोहराया।

तीखे लहजे में उन्होंने कहा कि जो लोग गाय के नाम पर सत्ता में बैठकर आनंद ले रहे हैं, उन्हें अब सुधर जाना चाहिए। शंकराचार्य ने कहा कि वे उन पुण्यात्माओं को श्रद्धांजलि देने आए हैं,जिन्होंने गौ माता की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति दे दी। पदयात्रा के दौरान उन्होंने गो–रक्षा के कार्य में जुटे स्थानीय युवाओं और बच्चों से मुलाकात की और उनकी पीठ थपथपाई। सियासी माहौल और संतों के उत्पीड़न पर बड़ा बयान देते हुए उन्होंने कहा कि जब भक्तों का उत्पीड़न सीमा से अधिक हो जाता है, तो भगवान को दर्द होता है और वे खंभा फाड़कर प्रकट होते हैं। खबरदार, यह सनातन की सरकार नहीं है। अगर यह सनातन की सरकार होती तो देश में गाय नहीं कटती और न ही गोमांस का विदेशों में निर्यात होता। ढोंगी लोग तो कोई भी भेष धारण कर लेते हैं, लेकिन उनके कर्म सच्चाई बयां कर देते हैं। क्षेत्र में चर्चाओं और इतिहास का जिक्र करते हुए शंकराचार्य ने एक गंभीर टिप्पणी की। मीडिया समाज का असली दर्पण है। जगदगुरु ने मीडियाकर्मियों की भूमिका की सराहना करते हुए कहा कि मीडिया समाज का असली चेहरा और दर्पण है।

मीडिया का काम है कि वह बिना किसी लाग–लपेट के सच्चाई को हूबहू जनता के सामने दिखाए। शंकराचार्य की इस पदयात्रा के दौरान छाता विधानसभा क्षेत्र में सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालु और गोभक्त उनके दर्शनों के लिए उमड़े। पूरा क्षेत्र गो माता को राष्ट्रमाता घोषित कर के गगनभेदी नारों से गुंजायमान रहा।

गोवर्धन में शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने गो संरक्षण और मतदाता जागरूकता को लेकर लोगों को संबोधित किया। श्री राधा कृष्ण कृपा धाम आश्रम में आयोजित कार्यक्रम में गा माता के संरक्षण के लिए एक नोट अभियान का शुभारंभ भी किया गया। अभियान के लिए धीरज कौशिक को प्रतिनिधि नियुक्त किया गया।

ट्रॉसफॉर्मर से कॉपर प्लेट चुराने वाले को सात माह की कैद

यूनिक समय, मथुरा। न्यायालय एसीजेएम प्रथम ने ट्रॉसफॉर्मर से चोरी हुई तांबे की प्लेटों के साथ अभियुक्त को चोरी का दोषी मानते हुए सात माह के साधारण कारावास और दो हजार रुपये के अर्थदंड से दंडित किया है।

अभियोजन के अनुसार, थाना हाईवे क्षेत्र स्थित नवादा उप केंद्र पर लगे विद्युत ट्रॉसफॉर्मर से चोरी हुई कॉपर की प्लेटों के साथ हाईवे पुलिस ने अभियुक्त पुष्पेंद्र

दो हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया

निवासी बछगांव थाना मगोर्रा को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ कोर्ट में आरोप पत्र प्रेषित किया था। चोरी के मुकदमे की सुनवाई एसीजेएम प्रथम के न्यायालय में हुई। एसीजेएम ने पुष्पेंद्र को दोषी मानते हुए उक्त सजा से दंडित किया।

परसोती गढ़ी में दो पक्षों के बीच हुई जमकर मारपीट, चले ईंट पत्थर

यूनिक समय, सुरीर, मथुरा। दो पक्षों में पुलिस की मौजूदगी में जमकर हुई मारपीट और चले ईंट–पथरों के मामले में पुलिस ने दोनों पक्षों के दस लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई है।

सुरीर कोतवाली में तैनात उपनिरीक्षक अमित कुमार पुलिस टीम के साथ आठ जून की रात करीब साढ़े दस बजे गश्त करते हुए परसोतीगढ़ी के समीप सोनालिका ट्रैक्टर एजेंसी के पास पहुंचे। वहां एक पक्ष के प्रेमपाल, नरेंद्र, संजय, सीमा,रीनू,खेमू निवासीगण

पुलिस ने दोनों पक्षों के दस लोगों के खिलाफ की रिपोर्ट

नगला फौंदा और दूसरे पक्ष के संजू, रंजीत, लक्ष्मी, कान्हा निवासीगण नगला मौजी,आपस में गाली–गलौज करते हुए मारपीट कर रहे थे। इसके बाद दोनों पक्षों ने एक दूसरे पर ईंट–पथर से हमला कर दिया।

पुलिस ने मौके पर पहुचंकर दोनों पक्षों को समझाने का प्रयास किया, लेकिन दोनों ओर से ईंट पत्थर फिकने लगें। पुलिस ने काफी समझाने का प्रयास किया, मगर दोनों पक्ष इसके बाद भी झगड़ते रहे। पुलिस ने ने दोनों पक्षों के दस लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

रक्तवीर सम्मान समारोह 14 जून को

यूनिक समय, मथुरा। विश्व रक्तदाता दिवस पर बृजवासी चेरिटेबल ब्लड सेंटर के तत्वावधान में रक्तवीर सम्मान समारोह का आयोजन रक्तकोष केंद्र में किया जाएगा , जिसमें ब्लड बैंक की सहयोगी सभी संस्थाओं को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया जाएगा। यह जानकारी ब्लड बैंक प्रभारी शुभम अग्रवाल ने दी।

तापमान / मौसम

38 डिग्री सेल्सियस अधिकतम

27 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम

सोना–चांदी भाव

सोना
24 कैरेट 1,45,820
22 कैरेट 1,33,668
(रेट प्रति 10 ग्राम में, जीएसटी समेत)

चांदी
2,60,000 प्रति किलो

हंसता आईना

यूनिक समय

स्वामी पवन गौतम के लिए राजकुमार गौतम द्वारा दैनिक यूनिक समय, 6 शंकर विहार, कृष्णा नगर मथुरा 281004 से प्रकाशित एवं बालाजी ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस कृष्णा नगर, मथुरा से मुद्रित।
कार्यालय:- यूनिक बिल्डिंग, 289-290 डायबिल नगर, कृष्णा नगर चौक, मथुरा।
संपादक-पवन गौतम
फोन नंबर-0565-2420150,
मो. 9837155888
E-mail : uniquesamaynews@gmail.com
website : uniquesamay.com
RNI-UPHIN/2023/85053
DAVP-: 134220
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026–28
सभी विवादों का न्यायालय स्थान मथुरा होगा।

बहुचर्चित ऑनर किलिंग: भाई ने साथी के साथ मिलकर की थी जीजा की हत्या

बहन का सुहाग उजाड़ने पर भाई को उम्रकैद की सजा

यूनिक समय, मथुरा। जिला एवं सत्र न्यायाधीश विकास कुमार ने पारिवार के कथित सम्मान और झूठी शान में आकर बहन का सुहाग उजाड़ने वाले भाई और उसके साथी को (बहुचर्चित ऑनर किलिंग) उम्र कैद और पचास-पचास हजार रुपये के अर्थदंड से दंडित किया है। अर्थदंड की धनराशि में से पचास प्रतिशत पीड़ित को दिए जाने के आदेश दिए हैं।

शासन की ओर से मुकदमे की पैरवी करने वाले जिला शासकीय अधिवक्ता शिवराम सिंह तरकर ने बताया कि सुरीर

कोतवाली क्षेत्र में रहने वाली युवती ने परिवार की इच्छा के विरुद्ध गांव के ही रहने वाले हेमत से कोर्ट मेरिज कर ली थी। इसी बात से परिवार के लोग युवती और उसके पति हेमंत से नाराज थे। युवती का भाई संदीप उर्फ काली 15

कोर्ट ने दोनों आरोपितों पर लगाया 50-50 हजार रुपये का अर्थ दंड

मार्च 2024 को हेमंत को बुलाकर समीप के गांव भदनवारा ले गया था। भदनवारा में संदीप उर्फ काली ने अपने साथी नीतेश उर्फ पुल्ली के साथ मिलकर हेमंत की धारदार हथियार से काटकर हत्या कर दी थी। हत्या की इस वारदात के बाद ग्रामीणों ने साहस दिखाते हुए संदीप उर्फ काली और उसके साथी नीतेश को मौके से पकड़ कर पुलिस को सौंप दिया था। घटना की नामजद रिपोर्ट मृतक के पिता बहोरी सिंह ने 16 मार्च 2024 को सुरीर कोतवाली में दर्ज कराई थी। पुलिस ने दोनों नामजदों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ आरोप पत्र न्यायालय में प्रेषित किया। मुकदमे की सुनवाई जिला जज विकास कुमार की अदालत में हुई। अदालत ने संदीप उर्फ काली और नीतेश उर्फ पुल्ली को हेमंत की हत्या का दोषी करार दिया है। दोनों अभियुक्त जमानत पर थे। दोषी ठहराते हुए उक्त सजा से दंडित किया।

वैष्णों देवी मंदिर पर दुकान लागने वालों से चौथ वसूली में रिपोर्ट

यूनिक समय चौमुहां। थाना जैंत क्षेत्र स्थित वैष्णों देवी मंदिर के समीप फूल माला बिक्री करने वाले दुकानदारों और अन्य दुकानदारों से चौथ मांगने और अवैध पार्किंग चलाने वाले दो लोगों के खिलाफ पीड़ित ने रिपोर्ट दर्ज कराई गई है।

वैष्णों देवी मंदिर पर दुकान करने वाले मनोज गौतम निवासी छटीकरा थाना जैंत ने पुलिस को दी शिकायत में कहा है कि अभियुक्त रोहताश उर्फ विशाल निवासी गांव दुगेंडी थाना इगलास जिला अलीगढ़ और छोटू सोलंकी निवासी अज्ञात मंदिर के गेट पर फूल मालाओं की दुकान लगाने वले दुकानदारों के अलावा अन्य दुकानदारों से 15 हजार रुपये दुकान लगाने के नाम पर चौथ मांगते हैं। पैसे न देने पर दुकान नहीं चलाने देने और जान से मारने की धकी दे रहे है। इसके साथ ही दोनों इस इलाके में अवैध रुप से पार्किंग चला रहे हैं। पुलिस ने दोनों अभियुक्तों के खिलाफ मामला दर्ज करने के बाद जांच शुरू कर दी है।

सर्विस मार्ग बने तालाब, जिम्मेदार हैं मौन

राहगीर हुए परेशान, गंदा जलभराव देता रहा परेशानी

यूनिक समय, मथुरा। शुक्रवार बीती रात हुई वर्षा ने लोगों को गर्मी से तो राहत दिलाई, लेकिन इससे जलभराव हो गया, जो लोगों के लिए परेशानी की वजह बना।

हाइवे के सर्विस मार्ग पर जलभराव होने से वाहन चालक परेशान हुए तो पैदल निकलने वालों को दिक्कत होती रही। जलभराव की वजह से हुई कीचड़ भी कष्ट का कारण बनी।

गुरुवार रात को हल्की बूंदाबांदी के बाद शुक्रवार बीती रात को वर्षा हो गई। काफी देर चली वर्षा की वजह से आबादी क्षेत्रों से गुजर रहे हाइवे के अंडरपास के सहारे बनाए गए सर्विस मार्ग इससे प्रभावित दिखे।

सर्विस रोड पर जलभराव होने से वाहन चालक ओर राहगीर परेशान होते रहे। फरह, रिफाइनरी और अन्य सर्विस मार्गों पर जलभराव होने से टेंपो और बाइक चालकों को सबसे ज्यादा परेशानी हुई। सर्विस मार्ग पर पानी

फरह कस्बा के अंडर मार्ग के सर्विस रोड पर भरा पानी।

फरह के सर्विस रोड पर ज्यादा है जलभराव

वर्षा का पानी फरह कस्बा के सर्विस रोड पर पूर्व से ही भरा था। यह सूखा नहीं था कि अब वर्षा फिर हो गई, इससे सर्विस रोड पर फिर से जलभराव हो गया। यहां जलभराव की वजह हाइवे के नाले पर मकान निर्माण सामग्री बेचने वालों का कब्जा होना है। ऐसे नालों में काफी डस्ट, गिट्टी आदि सामग्री समां चुकी है, जिससे यह नाले मलवे से भर गए हैं, अब पानी नहीं लेते हैं।

अधिक होने से राहगीर भी रास्ता निकलने के लिए इधर- उधर जुगत लगाते रहे। कई स्थानों पर हुए जलभराव की वजह से बाइक सवार ओर टेंपो चालक भी परेशान होते रहे। सीएनजी वाहन बंद होने के डर से चालक दूसरे मार्ग से रास्ता निकलते रहे।

रोक के बाद भी लगाए जा रहे स्मार्ट मीटर

नागरिकों ने बिजली विभाग की कार्रवाई पर जताया एतराज

एसडीओ बोले- सरकार ने नहीं लगाई है कोई भी रोक

यूनिक समय, फरह। सरकार की मनाही के बाद भी उपभोक्ताओं के घरों के बाहर स्मार्ट मीटर लगाने का काम जोरों पर चल रहा है। बिजली कर्मचारी मीटर लगवाने में जुटे हैं, जबकि नागरिक मीटर बदलने पर एतराज जता रहे हैं। विभागीय अधिकारी स्मार्ट मीटर लगाने पर रोक से मना कर रहे हैं।

इसी मार्च माह से जनपद में पुराने मीटर के स्थान पर नए स्मार्ट मीटर लगाने का काम शुरू हुआ तो नागरिक अधिक बिल आने की बात कहते हुए इसके विरोध में उतर आए। इसके बाद सरकार ने इस काम को रोक दिया। अब फिर से स्मार्ट मीटर लगाने का काम होने लगा है।

कस्बा में ऐसे मीटर लगाने के साथ उपभोक्ताओं में खुसर- फुसर होन लगी है। उपभोक्ताओं का कहना है कि बिजली कर्मचारी उनके यहां ऐसे मीटर

फरह कस्बा में स्मार्ट मीटर लगाता कर्मचारी।

लगाने को अड़ रहे हैं। एसडीओ जबरन स्मार्ट मीटर लगवाने पर तुले हुए हैं। उपभोक्ताओं का कहना है कि स्मार्ट मीटर लगाने पर रोक है। वहीं, प्रीपेड व्यवस्था और मीटर बदलाव को लेकर भ्रम बना रहा। स्थानीय अधिकारियों का कहना है ऐसे मीटर लगाने पर रोक नहीं है, अब उनको पोस्ट पेड के स्थान पर प्रीपेड में किया गया है। उप खंड अधिकारी देवेंद्र सिंह का कहना है कि कस्बा में काफी कम ऐसे उपभोक्ता रह गए हैं, जिनके यहां पुराने मीटर लगा है। अब ऐसे मीटर को हटकार स्मार्ट मीटर लगाए जा रहे है। कस्बा से मीटर रीडिंग लेने वालों को हटाने के बाद ऐसे मीटर लगना जरूरी हैं।

अवैध कॉलोनी पर फिर चला विप्रा का बुलडोजर

एमबीडीए टीम ने अवैध कॉलोनी पर चलाया बुलडोजर।

यूनिक समय, मथुरा। बल्देव रोड स्थित लक्ष्मीनगर क्षेत्र में विकसित की जा रही एक अनाधिकृत कॉलोनी के खिलाफ प्राधिकरण ने ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की। यह कॉलोनी मनोज उपाध्याय और योगेश चंद्र शर्मा द्वारा जमुना कोल्ड स्टोर वाली भूमि पर लगभग 8,000 वर्ग मीटर क्षेत्र में विकसित की जा रही थी। पूर्व में प्राधिकरण द्वारा 15 अप्रैल व 22 दिसंबर 2025 को ध्वस्तीकरण के आदेश जारी किए गए थे। प्राधिकरण टीम ने कॉलोनी में बनाई गई सड़क,

सड़क-नाली और प्लॉटों को किया ध्वस्त

नाली और प्लॉटों की बाउंड्रीवाल को ध्वस्त किया। यह कार्रवाई उपाध्यक्ष एन. लक्ष्मी के निर्देशन में सचिव के नेतृत्व में की गई। अभियान में सहायक अभियंता सुमित कुमार प्रथम, अवर अभियंता अनिल सिंघल, प्रवर्तन दल और थाना यमुनापार पुलिस का सहयोग रहा।

उमस के हमले से सांस फूल रही, पेट बिगड़ रहा

रोज 60 से अधिक श्वांस रोगी पहुंच रहे अस्पताल

यूनिक समय, मथुरा। बरसात की फुहारों के बाद लोगों को भले ही गर्मी से कुछ राहत मिली हो, लेकिन बढ़ी उमस अब बीमारियों का कारण बनती जा रही है। मौसम के बदले मिजाज ने लोगों की सेहत पर असर डालना शुरू कर दिया है। जिला अस्पताल में सांस, सर्दी–जुकाम, गले के संक्रमण, डायरिया और पेट संबंधी रोगों के मरीजों की संख्या कुछ बढ़ रही है। सबसे ज्यादा परेशानी श्वांस रोगियों को हो रही है।

जिला अस्पताल के फिजिशियन कक्ष के बाहर सुबह से ही मरीजों की लंबी कतारें देखने को मिल रही हैं। रोजाना 170 से 190 मरीज फिजिशियन से परामर्श लेने पहुंच रहे हैं। इनमें बड़ी संख्या ऐसे लोगों की है जो सांस लेने में दिक्कत, सीने में जकड़न, खांसी और एलर्जी जैसी समस्याओं से जूझ रहे हैं। अस्पताल के आंकड़ों के अनुसार, 10 जून को जिला अस्पताल की ओपीडी में करीब 1,112 मरीज पहुंचे थे, जबकि अगले दिन 949 मरीजों ने उपचार कराया। हालांकि कुल

जिला अस्पताल में चिकित्सक से उपचार लेते मरीज।

मरीजों की संख्या में मामूली कमी आई है, लेकिन श्वांस रोगियों की संख्या बढ़ गई है। प्रतिदिन करीब 60 मरीज सांस संबंधी बीमारियों से पीड़ित होकर अस्पताल पहुंच रहे हैं। इसके अलावा 30 गले में खुजली और गला खराब, कोल्ड की समस्या, 20 मरीज डायरिया, 20 मरीज उच्च रक्तचाप, 15 मरीज बदन दर्द और टीबी संबंधी शिकायतों और करीब 20 मरीज खांसी–जुकाम की परेशानी लेकर उपचार के लिए पहुंच रहे हैं। रोगी बढ़े है,लेकिन पिछले सप्ताह जो मरीजों की ओपीड़ी हो रहीं थी, उससे कम ओपीडी हो रही है,मरीजों की संख्या में कुछ इजाफा मौसम के बदवाल से हुआ है।

जिला अस्पताल के फिजिशियन डॉ. रवि माहेश्वरी ने बताया कि कुछ मरीजों में इजाफा हो रहा है। परिक्रमा कर लौट रहे श्रद्धालुओं पर भी मौसम की मार दिखाई दे रही है। थकान, डिहाइड्रेशन, उल्टी–दस्त और पेट दर्द

बारिश के बाद बदले मौसम ने बढ़ाई मुसीबत

की शिकायत लेकर कई श्रद्धालु अस्पताल आ रहे हैं। तेज गर्मी के बाद अचानक बढ़ी नमी और उमस शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को प्रभावित कर रही है।

उन्होंने बताया कि इस मौसम में सबसे अधिक सावधानी खानपान को लेकर बरतने की आवश्यकता है। उमस के कारण खाद्य पदार्थ जल्दी खराब हो जाते हैं और इन्हीं के सेवन से संक्रमण फैलने का खतरा बढ़ जाता है। उन्होंने लोगों को बासी भोजन से बचने, अधिक से अधिक पानी पीने और केवल ताजा भोजन करने की सलाह दी है।

डॉ.माहेश्वरी का कहना है कि यदि समय रहते सावधानी नहीं बरती गई तो पेट संबंधी रोग, उल्टी–दस्त और संक्रमण की समस्याएं और बढ़ सकती हैं। मौसम के बदले तेवरों ने स्वास्थ्य विभाग पर दिखने लगा है।

बिजली बिलों में 10 प्रतिशत बढ़ोतरी की जाए समाप्त

डीएम को ज्ञापन देने जाते मथुरा उद्योग व्यापार मंडल के पदाधिकारी।

यूनिक समय, मथुरा। मथुरा उद्योग व्यापार मंडल ने ईंधन अधिभार के नाम पर बिजली के बिलों में की जा रही 10 प्रतिशत की बढ़ोतरी को समाप्त करने की मांग की है। उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत नियामक आयोग के चेयरमैन के नाम डीएम को इसके लिए ज्ञापन भी दिया गया है। बिलों में बिजली की दरों को बढ़ाने को भी अनाश्यवक मानते हुए वासप लेने की मांग की है।

प्रतिनिधिमंडल के जिलाध्यक्ष अभिषेक कुमार शुक्रवार को अन्य पदाधिकारियों के साथ डीएम से मिले। उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत नियामक आयोग के चेयरमैन के नाम ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में बताया गया है कि ईंधन अधिभार लगाने से पूर्व नियामक आयोग से अनुमति नहीं ली गई है, जबकि बिजली के औद्योगिक और घरेलू बिलों में पूर्व में ही फिक्स चार्ज लगाए जा रहे है।

मंडल का कहना है के वाणिज्य (एलएमवी–2) बिलों में फिक्स चार्ज और मिनिमम चार्ज दोनों लगाए जाते हैं तो घरेलू, वाणिज्य और औद्योगिक बिलों में 7.5 प्रतिशत इलेक्ट्रिसिटी ड्यूटी जोड़ी जा रही है। मथुरा उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल का कहना है कि

मथुरा उद्योग व्यापार मंडल ने उठाई मांग

चेयरमैन के नाम डीएम को दिया ज्ञापन

नियामक आयोग के द्वारा प्रत्येक वर्ष बिजली के उत्पादन और खर्चा की समीक्षा कर लोगों से सुनवाई करने के बाद बिजली की दरों का पुनः निर्धारण किया जाता है, इसलिए बीच सत्र में अनावश्यक रूप से बिजली की दरों में बढ़ोतरी करने का कोई औचित्य नहीं है।

ज्ञापन में बताया गया है कि अचानक की गई बढ़ोतरी से एक गलत परंपरा की शुरुआत होगी, इसके प्रभाव से बढ़ाने वाली महंगाई से आम जनता प्रभावित होगी। अचानक कि गई बढ़ोतरी से उत्तर प्रदेश का उद्योग और व्यापार प्रभावित होगा, इसलिए अनावश्यक रूप से ईधन अधिभार के नाम पर बिजली के बिलों में की जा रही 10 प्रतिशत की बढ़ोतरी को समाप्त किया जाए। इस दौरान महामंत्री बबलू सैनी, नगर अध्यक्ष डा. राजेंद्र प्रसाद लोधी, नगर महामंत्री सतीश पटेल अदि मौजूद रहे।

गोकुल नगर पंचायत में अधिशासी अधिकारी का अतिरिक्त चार्ज लेने के बाद एसडीएम न्यायिक चंद्रभूषण सिंह के साथ चेयरमैन संजय दीक्षित।

एसडीएम न्यायिक ने गोकुल नगर पंचायत के ईओ का कार्य संभाला

संवाददाता

यूनिक समय, गोकुल (मथुरा)। नगर पंचायत के अधिशासी अधिकारी का ट्रांसफर होने के कारण रिक्त चल रहे स्थान पर डीएम चंद्र प्रकाश सिंह के

डीएम के आदेश पर मिला अतिरिक्त कार्यभार

नगर की सफाई और अतिक्रमण पर रहेगा फोकस

आदेश पर महावन क्षेत्र के एसडीएम न्यायिक चंद्रभूषण सिंह ने अतिरिक्त कार्यभार संभाल लिया है। नगर पंचायत अध्यक्ष संजय दीक्षित ने कार्यालय में उनका स्वागत किया। चार्ज लेने के बाद उन्होंने कहा कि शासन की मंशा के अनुसार सभी समस्याओं का हल करेंगे।

तीर्थयात्रियों के लिए व्यवस्थाएं की जाएंगी, सफाई व्यवस्था में सुधार किया जाएगा। बाजार में अतिक्रमण हटाया जाएगा।

खाटू श्याम मंदिर में उमड़ा आस्था का सैलाब

यूनिक समय, नौहझील। बाजना मार्ग स्थित प्रसिद्ध खाटू श्याम मंदिर में इस एकादशी पर भी आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा। बाबा श्याम के दर्शन और मासिक एकादशी महोत्सव को लेकर तड़के से ही मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की भीड़ जुटना शुरू हो गई थी। हारे का सहारा, बाबा श्याम हमारा और जय श्री श्याम के जयकारों से पूरा इलाका भक्तिमय हो गया। एकादशी इस बार भी एक भव्य शोभायात्रा का आयोजन किया गया। यह शोभायात्रा बाजना कस्बे के मुख्य मार्गों से शुरू हुई। रंग–बिरंगे फूलों और आकर्षक लाइटों से सजे बाबा श्याम के डोले के आगे भक्त भजनों पर झूमते–नाचते नजर आए। कस्बा बाजना में भ्रमण करते हुए यह भव्य शोभायात्रा महारामगढ़ी और मानागढी मोड़ होते हुए वापस खाटू श्याम मंदिर पहुंची। मार्ग में जगह–

जगह स्थानीय निवासियों और व्यापारियों द्वारा पुष्प वर्षा कर शोभायात्रा का स्वागत किया गया। शोभायात्रा में

बाजना– नौहझील मार्ग स्थित मंदिर में हर एकादशी पर सजता है बाबा श्याम का दरबार

सैकड़ों की संख्या में महिला, पुरुष और युवा भक्त हाथों में श्याम बाबा के निशान ध्वज लेकर चल रहे थे। मंदिर पहुंचने पर बाबा श्याम का अलौकिक श्रृंगार कर छप्पन भोग लगाया गया और महाआरती उतारी गई। भक्तों को प्रसाद वितरित किया गया।

खाटू श्याम मंदिर के महंत सचिन पंडित ने बताया कि बाजना–नौहझील मार्ग पर स्थित इस मंदिर के प्रति क्षेत्र और आस–पास के गांवों के लोगों में अगाध श्रद्धा है। हर एकादशी पर यहां भक्तगणों की भारी भीड़ उमड़ती है।

अभिलेखों से लेकर हर्बल गार्डन तक होगी सख्त निगरानी

परिषदीय और पीएम श्री स्कूलों में लापरवाहों पर होगी कार्रवाई

यूनिक समय, मथुरा। बेसिक शिक्षा विभाग ने जनपद के परिषदीय और पीएम श्री विद्यालयों में शैक्षिक, प्रशासनिक और वित्तीय व्यवस्थाओं को पारदर्शी बनाने के लिए निर्देश जारी किए हैं। विभाग ने स्पष्ट किया है कि विद्यालयों में संचालित सभी पंजिकाओं, अभिलेखों और योजनाओं का अद्यतन रख–रखाव सुनिश्चित किया जाए, अन्यथा संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों के विरुद्ध कार्रवाई की जा सकती है।

आदेश के अनुसार, छात्र उपस्थिति पंजिका, एमडीएम पंजिका, निःशुल्क सामग्री वितरण पंजिका, स्टॉक पंजिका, आय–व्यय पंजिका, निरीक्षण पंजिका, बैठक पंजिका, पुस्तकालय एवं खेलकूद पंजिका सहित सभी अभिलेखों को सुरक्षित रखने, नियमित रूप से अद्यतन करने के निर्देश दिए गए हैं। इन अभिलेखों का डिजिटल माध्यमों पर डिजिटलीकरण भी अनिवार्य किया गया है, ताकि निरीक्षण, ऑडिट अथवा विभागीय समीक्षा के समय आवश्यक अभिलेख तत्काल उपलब्ध कराए जा सकें।

बेसिक शिक्षा अधिकारी रतन कीर्ति ने विद्यालय प्रबंध समिति (एसएमसी) के गठन एवं नियमित बैठकों पर भी विशेष जोर दिया है। निर्देश दिए गए हैं कि बैठकों की कार्रवाई विधिवत दर्ज की जाए, लिए गए निर्णयों के अनुपालन का रिकॉर्ड भी सुरक्षित रखा जाए। निःशुल्क पाठ्यपुस्तकों के वितरण को लेकर भी विभाग सख्त नजर आ रहा है। आदेश में कहा गया है कि प्रत्येक पात्र छात्र–छात्रा को समय पर पुस्तकें उपलब्ध कराई जाएं, वितरण पंजिका में छात्रवार विवरण दर्ज किया जाए। किसी भी विद्यार्थी को पाठ्यपुस्तकों से वंचित न रहने देने की जिम्मेदारी विद्यालय प्रशासन की होगी। बरसात के मौसम को देखते हुए डेंगू, चिकनगुनिया और मलेरिया जैसी मच्छरजनित बीमारियों की रोकथाम के लिए विद्यालय परिसरों में नियमित कीटनाशक छिड़काव, साफ–सफाई और जलभराव समाप्त करने के निर्देश दिए गए हैं।

फर्स्ट एड किट में रखी दवाओं की वैधता की नियमित जांच करने, एक्सपायर दवाओं को तत्काल हटाने के आदेश भी दिए गए हैं। प्रधानमंत्री स्कूल्स फॉर राइजिंग इंडिया (पीएम श्री) योजना के तहत चयनित विद्यालयों को आदर्श विद्यालय के रूप में विकसित करने के उद्देश्य से अतिरिक्त निर्देश जारी किए गए हैं। स्मार्ट क्लास, कंप्यूटर, प्रोजेक्टर, पुस्तकालय, खेल सामग्री, विज्ञान-गणित किट, टीएलएम और अन्य संसाधनों के प्रभावी उपयोग पर विशेष बल दिया गया है। उन्होंने कहा है कि पीएम श्री विद्यालयों को उपलब्ध कराई गई धनराशि से खरीदी गई सामग्री विद्यालय में वास्तविक रूप से मौजूद हो, विवरण स्टॉक पंजिका और वित्तीय अभिलेखों में दर्ज हो। निरीक्षण के दौरान अभिलेखों और वास्तविक स्थिति में किसी प्रकार का अंतर पाए जाने पर जवाबदेही तय की जाएगी। विभाग ने पीएम श्री विद्यालयों में हर्बल मेडिकल गार्डन विकसित करने पर भी जोर दिया है। निर्देश दिए गए हैं कि विद्यालय परिसर में सुरक्षित एवं उपयुक्त स्थान पर तुलसी, एलोवेरा, अश्वगंधा, गिलोय, नीम, ब्राह्मी, लेमनग्रास सहित अन्य औषधीय पौधों का रोपण किया जाए।

पाञ्चजन्य प्रेक्षागृह में सांस्कृतिक कार्यक्रम कल

यूनिक समय, मथुरा। ब्रज क्षेत्र की उभरती प्रतिभाओं को मंच प्रदान करने वाली संस्था ब्रज कला चौपाल के चार वर्ष पूर्ण होने पर 13 जून को दोपहर 2:30 बजे डैम्पियर नगर स्थित पाञ्चजन्य प्रेक्षागृह में भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा।

ब्रज कला चौपाल की संस्थापिका नम्रता सिंह ने बताया कि संस्था की स्थापना का उद्देश्य मथुरा और ब्रज क्षेत्र की उन प्रतिभाओं को मंच प्रदान करना था, जिनके पास कला तो थी, लेकिन उचित अवसर और मंच का अभाव था। संस्था ने संगीत के साथ–साथ कविता, नृत्य, गायन, वादन और अन्य कलाओं से जुड़े कलाकारों को भी एक साझा मंच उपलब्ध कराया है।

मारपीट में दो लोगों को तीन–तीन साल की कैद

कोर्ट ने दो–दो हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया

यूनिक समय, मथुरा। एडीजे (छह) ने गाली-गलौच कर मारपीट करने के मामले में दो अभियुक्तों को तीन–तीन साल की कैद और दो– दो हजार रुपये के अर्थदंढ से दंडित किया है।

अभियोजन के अनुसार, थाना बल्देव क्षेत्र में 2012 में छौली गांव में हुई एक मारपीट के मामले में दो अभियुक्तों द्वारा गाली- गलौच करते हुए लाठी डंडों से मारपीट कर दूसरे पक्ष के लोगों को मारपीट कर बुरी तरह से घायल कर दिया था। पुलिस ने मारपीट करने वाले छौली निवासी शंकर उर्फ पिलुआ और पवन उर्फ पिंटू के खिलाफ आरोप पत्र न्यायालय में प्रेषित किया। मुकदमे की सुनवाई एडीजे (छह) न्यायालय में हुई। न्यायाधीश ने गवाहों की गवाही और पत्रावली पर उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर दोनों अभियुक्तों को उक्त सजा से दंडित किया।

गांजे के साथ युवक गिरफ्तार

यूनिक समय, मथुरा। कोतवाली पुलिस ने एक अभियुक्त को 650 ग्राम अवैध गांजे के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, चेकिंग के दौरान पुलिस को अलवर रेलवे पुल के समीप सर्विस रोड पर एक संदिग्ध युवक जाता हुआ दिखाई दिया। पुलिस ने युवक को रोक उससे पूछताछ की। पुलिस के अनुसार, युवक शरीफ निवासी बिडगांव थाना नगर जिला डीग राजस्थान की तलाशी करने पर उसके कब्जे से 650 ग्राम अवैध गांजा बरामद हुआ है।

ओवेरियन कैंसर पर सीएमई में चिकित्सकों की चर्चा

ओवेरियन कैंसर पर आयोजित कार्यक्रम में मौजूद चिकित्सक आदि।

उपचार से बेहतर होगा कैंसर का निदान: डॉ. रेनुका गुप्ता

यूनिक समय, मथुरा। राजीव गांधी कैंसर इंस्टीट्यूट एंड रिसर्च सेंटर ने ऑब्स्टेट्रिक्स एंड गायनेकोलॉजी सोसायटी मथुरा (एमओजीएस) के सहयोग से शहर के एक निजी होटल में ओवेरियन कैंसर विषय पर ऑन्कोलॉजी कंटीन्यूइंग मेडिकल एजुकेशन (सीएमई) कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम में जनपद के प्रमुख प्रसूति- स्त्री रोग विशेषज्ञों सहित अन्य चिकित्सकों ने सहभागिता की।

कार्यक्रम में कैंसर प्रबंधन की आधुनिक रणनीतियों, समय रहते कैंसर की पहचान के महत्व और विश्वस्तरीय उपचार पद्धतियों पर चर्चा की गई। "सर्जिकल मैनेजमेंट ऑफ ओवेरियन कैंसर" विषय पर व्याख्यान देते हुए आरजीसीआईआरसी की कंसल्टेंट सर्जिकल ऑन्कोलॉजिस्ट डॉ. रेनुका गुप्ता ने ओवेरियन कैंसर के निदान-उपचार के वर्तमान दृष्टिकोणों की जानकारी दी।

उन्होंने कहा कि स्त्री रोग विशेषज्ञों, सर्जिकल ऑन्कोलॉजिस्ट, मेडिकल ऑन्कोलॉजिस्ट, रेडियोलॉजिस्ट और पैथोलॉजिस्ट के बीच समन्वित सहयोग रोगी–केंद्रित उपचार योजना और बेहतर देखभाल सुनिश्चित करने के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। आरजीसीआईआरसी, नीति बाग के कंसल्टेंट मेडिकल ऑन्कोलॉजिस्ट डॉ. कपिल गोयल ने कहा कि कई प्रकार के कैंसर शुरुआती चरण में बेहद हल्के और अस्पष्ट लक्षणों के साथ सामने आते हैं। इस अवसर पर डॉ. गीता मेहता, डॉ. वीना उप्पल, डॉ. ललिता भरतिया, डॉ. शिल्पा गोयल, डॉ. आरती गुप्ता, डॉ. चारु जैन, डॉ. वर्तिका, डॉ. रेनू अग्रवाल, डॉ. रेतिल, डॉ. आंचल, डॉ. इला, डॉ. हर्षिता, डॉ. अनुभा, डॉ. रश्मि, डॉ. गीतिका, डॉ. रितु जैन, डॉ. कीर्ति माहेश्वरी, डॉ. हार्दिक जैन, डॉ. पवन अग्रवाल, डॉ. बी.बी. माहेश्वरी, डॉ. राकेश मेहता, डॉ. अंजू गुप्ता, डॉ. प्रीति लालवानी, डॉ. लता शुक्ला सहित अनेक चिकित्सक उपस्थित रहे।

भावनात्मक बुद्धिमत्ता से रूबरू हुए राजीव एकेडमी के विद्यार्थी

छात्र-छात्राओं के साथ विभागाध्यक्ष डॉ. विकास जैन और अतिथि वक्ता डॉ. बबिता भाटी।

डॉ. बबिता भाटी ने 'इमोशनल इंटेलिजेंस' पर साझा किए अपने अनुभव

यूनिक समय, मथुरा। भावनात्मक बुद्धिमत्ता वह क्षमता है जिसके द्वारा आप अपनी भावनाओं को व्यक्त और प्रबंधित कर सकते हैं और दूसरों की भावनाओं के प्रति उचित प्रतिक्रिया दे सकते हैं। इसे कभी–कभी आपका भावनात्मक भागफल भी कहा जाता है। आपसी संबंधों में उच्च भावनात्मक बुद्धिमत्ता आपको प्रभावी ढंग से संघर्षों को सुलझाने, दूसरों के सामने अपनी जरूरतें व्यक्त करने और सीमाएं निर्धारित करने में सक्षम बनाती है। यह बातें अतिथि वक्ता डॉ. बबिता भाटी ने राजीव एकेडमी फॉर टेक्नोलॉजी एण्ड मैनेजमेंट मथुरा के एमबीए द्वितीय और चतुर्थ सेमेस्टर के छात्र–छात्राओं को बताईं।

संस्थान द्वारा 'इमोशनल इंटेलिजेंस' विषय पर आयोजित अतिथि व्याख्यान में ग्रेटर नोएडा से आईं मुख्य वक्ता डॉ. बबिता भाटी ने विद्यार्थियों को भावनात्मक बुद्धिमत्ता के महत्व, व्यक्तिगत एवं व्यावसायिक जीवन में इसके प्रभाव और नेतृत्व क्षमता के विकास में इसकी भूमिका के बारे में जानकारी दी।

व्याख्यान के दौरान डॉ. बबिता भाटी से छात्र–छात्राओं ने भावनात्मक बुद्धिमत्ता से सम्बन्धित कई प्रश्न पूछे, जिनका उन्होंने व्यावहारिक उदाहरणों के माध्यम से समाधान किया। संस्थान के निदेशक डॉ. अमर कुमार सक्सेना ने मुख्य वक्ता का स्वागत करते हुए उनके बहुमूल्य मार्गदर्शन औरं विद्यार्थियों के साथ साझा किए गए अनुभवों की मुक्तकंठ से तारीफ की। व्याख्यान के अंत में कॉर्पोरेट रिसोर्स सेंटर के प्रमुख डॉ. विकास जैन ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत करते हुए मुख्य वक्ता और प्रबंधन के संकाय सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास और पेशेवर दक्षताओं को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

संस्थान के अध्यक्ष डॉ. रामकिशोर अग्रवाल, उपाध्यक्ष पंकज अग्रवाल और प्रबंध निदेशक मनोज अग्रवाल ने इमोशनल इंटेलिजेंस व्याख्यान की सराहना करते हुए कहा कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए इस प्रकार के ज्ञानवर्धक आयोजनों का निरंतर आयोजन किया जाना जरूरी है। डॉ. रामकिशोर अग्रवाल ने कहा कि भावनात्मक बुद्धिमत्ता के लिए अपनी भावनाओं को समझना और दूसरों की भावनाओं के प्रति उचित प्रतिक्रिया देना आवश्यक है। डॉ. अग्रवाल ने कहा कि उच्च भावनात्मक बुद्धिमत्ता वाले लोगों में अन्य लोगों से कई तरह के भिन्न गुण होते हैं। छात्र–छात्राएं यदि अपनी भावनात्मक बुद्धिमत्ता को बेहतर बनाना चाहते हैं, तो ऐसे कई तरीके हैं जिनसे वे अपने जीवन में इन गुणों को विकसित और निखार सकते हैं।

तीन किमी. दूर से पानी ला रही हैं कमई की महिलाएं

पानी की समस्या को लेकर खाली मटकों के साथ गांव कमई की महिलाएं।

यूनिक समय, गोवर्धन। ग्राम पंचायत कमई में भीषण जल संकट से ग्रामीण परेशान हैं। गांव में पेयजल की गंभीर समस्या है, जिसके चलते महिलाओं को रोजाना लगभग तीन किलोमीटर दूर जाकर पानी लाना पड़ रहा है।

ग्रामीणों का आरोप है कि पंचायत प्रशासन और प्रधान द्वारा समस्या के समाधान के बजाय मनमानी की जा रही है। गांव में पानी की टंकी लगाने के कार्य को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि टंकी का स्थान जनहित को ध्यान में रखकर नहीं चुना गया, जिससे अधिकांश लोगों को राहत मिलने की उम्मीद कम है।

महिलाओं और ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि जल्द से जल्द गांव में पेयजल व्यवस्था को दुरुस्त किया जाए और पानी की टंकी उचित स्थान पर स्थापित कर सभी ग्रामीणों को राहत

डायबिटीज में जामुन की गुठली का काढ़ा कितना फायदेमंद

यूनिक समय, नई दिल्ली। डायबिटीज आज के समय की सबसे आम स्वास्थ्य समस्याओं में से एक बन चुकी है। खराब खान–पान, तनाव और निष्क्रिय जीवनशैली के कारण कम उम्र के लोग भी इसकी चपेट में आ रहे हैं। ब्लड शुगर को नियंत्रित रखने के लिए दवाओं के साथ–साथ कई लोग प्राकृतिक और घरेलू उपायों का भी सहारा लेते हैं। इन्हीं में जामुन की गुठली का काढ़ा एक लोकप्रिय उपाय माना जाता है। आयुर्वेद में भी जामुन की गुठलियों को मधुमेह नियंत्रण में सहायक बताया गया है। जामुन की गुठलियों में जंबोलिन और जंबोसिन जैसे तत्व पाए जाते हैं, जो शरीर में कार्बोइड्रेट को ग्लूकोज में बदलने की प्रक्रिया को धीमा करने में मदद कर सकते हैं। इससे भोजन के बाद ब्लड शुगर का स्तर अचानक बढ़ने की संभावना कम हो जाती है। यही कारण है कि कई लोग इसे डायबिटीज प्रबंधन में उपयोगी मानते हैं। इसके अलावा माना जाता है कि जामुन की गुठली का काढ़ा अग्न्याशय (पैंक्रियाज) की कार्यक्षमता को बेहतर बनाने में मदद कर सकता है। इससे शरीर में इंसुलिन के उत्पादन और उसके प्रभाव में सुधार हो सकता है, जो टाइप–2 डायबिटीज के मरीजों के लिए लाभकारी माना जाता है। डायबिटीज के मरीजों को अक्सर बार–बार प्यास लगना और बार–बार पेशाब आने जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। जामुन की गुठली का काढ़ा इन लक्षणों को कम करने में भी सहायक माना जाता है।

जामुन गुठली का काढ़ा फायदेमंद

साथ ही इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स शरीर को फ्री रेडिकल्स से बचाने में मदद करते हैं। दिल की सेहत के लिए भी यह फायदेमंद माना जाता है। डायबिटीज के मरीजों में हृदय रोगों का खतरा अधिक होता है। जामुन की गुठलियों में मौजूद पोषक तत्व कोलेस्ट्रॉल और ब्लड प्रेशर को संतुलित रखने में मदद कर सकते हैं, जिससे हृदय को सुरक्षा मिलती है। हालांकि, जामुन की गुठली का काढ़ा किसी भी स्थिति में डॉक्टर द्वारा दी गई दवाओं का विकल्प नहीं है। इसका सेवन करने से पहले विशेषज्ञ या डॉक्टर की सलाह जरूर लें, ताकि ब्लड शुगर का स्तर सुरक्षित सीमा में बना रहे।

फ्रिज में रखी ये चीजें जल्दी होती हैं खराब

हर चीज फ्रिज में रखना पड़ सकता महंगा

यूनिक समय, नई दिल्ली। खाद्य पदार्थों को लंबे समय तक ताजा बनाए रखने के लिए लोग अक्सर उन्हें फ्रिज में रख देते हैं। हालांकि, विशेषज्ञों का मानना है कि हर चीज को फ्रिज में रखना सही नहीं होता। कुछ खाद्य पदार्थ ऐसे होते हैं जिनकी गुणवत्ता, स्वाद और पोषण ठंडे तापमान के कारण प्रभावित हो सकते हैं। टमाटर को फ्रिज में रखने से उसका प्राकृतिक स्वाद कम हो सकता है और उसका गूदा मुलायम पड़ने लगता है। वहीं आलू को फ्रिज में रखने से उसमें मौजूद स्टार्च शुगर में बदलने लगता है, जिससे उसका स्वाद और बनावट बदल सकती है। प्याज और लहसुन भी फ्रिज में रखने से जल्दी खराब हो सकते हैं, क्योंकि नमी के कारण उनमें फफूंदी लगने या अंकुर निकलने की संभावना बढ़ जाती है। केला भी ऐसा फल है जिसे फ्रिज में रखने से उसका छिलका काला पड़ सकता है और पकने की प्रक्रिया प्रभावित हो सकती है। इसी तरह ब्रेड को फ्रिज में रखने से वह जल्दी सूखकर बासी हो जाती है। अगर लंबे समय तक सुरक्षित रखना हो तो फ्रीजर बेहतर विकल्प माना जाता है। शहद को फ्रिज में रखने से उसमें क्रिस्टल बनने लगते हैं, जबकि कॉफी आसपास की नमी और गंध को सोख लेती है, जिससे उसका स्वाद और खुशबू प्रभावित हो सकती है। इसलिए इन दोनों चीजों को एयरटाइट कंटेनर में सामान्य तापमान पर रखना बेहतर माना जाता है। विशेषज्ञों के अनुसार, सही स्टोरेज की जानकारी भोजन की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए बेहद जरूरी है। इसलिए हर खाद्य पदार्थ को फ्रिज में रखने के बजाय उसकी प्रकृति और जरूरत के अनुसार स्टोर करना चाहिए, ताकि स्वाद, पोषण और ताजगी लंबे समय तक बरकरार रहे।

गर्मी में नाश्ते की टेंशन खत्म, बनाएं दही–खीरा सैंडविच

यूनिक समय, नई दिल्ली। सुबह का नाश्ता दिन का सबसे महत्वपूर्ण भोजन माना जाता है, लेकिन अक्सर लोगों को समझ नहीं आता कि जल्दी और हेल्दी क्या बनाया जाए। अगर आप भी रोजाना एक जैसा नाश्ता खाकर बोर हो गए हैं, तो दही–खीरा सैंडविच एक बेहतरीन विकल्प हो सकता है। यह स्वादिष्ट होने के साथ–साथ पौष्टिक भी है और कुछ ही मिनटों में तैयार हो जाता है। इस सैंडविच को बनाने के लिए 4 ब्रेड स्लाइस, 1 कप गाढ़ा दही, 1 छोटा खीरा, 1 छोटा गाजर, 1 छोटा टमाटर, 1 छोटा प्याज, थोड़ा बारीक कटा हरा धनिया, आधा चम्मच भुना जीरा पाउडर, 2 बड़े चम्मच बटर और स्वादानुसार नमक लें। सबसे पहले दही को एक बाउल में अच्छी तरह फेंट लें। इसके बाद खीरा और गाजर को कद्दूकस कर लें और उनका अतिरिक्त पानी निकाल दें। अब प्याज, टमाटर और हरा धनिया बारीक काटकर दही में मिला दें। इसमें नमक, काली मिर्च और भुना जीरा पाउडर डालकर मिश्रण तैयार करें। अब ब्रेड स्लाइस पर बटर लगाएं और तैयार दही मिश्रण को एक स्लाइस पर फैलाएं। दूसरी स्लाइस ऊपर रखकर सैंडविच तैयार कर लें। चाहें तो इसे टोस्टर या तवे पर हल्का सेंक सकते हैं, जिससे इसका स्वाद और भी बढ़ जाता है। तैयार दही–खीरा सैंडविच को पुदीने की चटनी या टोमैटो सॉस के साथ परोसें। यह नाश्ता गर्मियों में शरीर को ठंडक देता है और पेट को लंबे समय तक भरा हुआ महसूस कराता है। हेल्दी और टेस्टी ब्रेकफास्ट के लिए यह रेसिपी एक शानदार विकल्प है।

बढ़ती उम्र में संतुलन बनाएंगे ये योगासन

गिरने और चोट लगने का खतरा होगा कम

यूनिक समय, नई दिल्ली। बढ़ती उम्र के साथ शरीर में कई तरह के बदलाव आने लगते हैं। हड्डियों की मजबूती कम होने लगती है, मांसपेशियां कमजोर पड़ जाती हैं और जोड़ों में अकड़न बढ़ने लगती है। इन कारणों से बुजुर्गों में संतुलन बनाए रखना मुश्किल हो जाता है, जिससे गिरने और चोट लगने का खतरा बढ़ जाता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार, नियमित योगाभ्यास इस समस्या से बचाव में मदद कर सकता है। आयुष मंत्रालय का मानना है कि योग शरीर की ताकत, लचीलापन और संतुलन को बेहतर बनाता है। इससे न केवल शारीरिक क्षमता बढ़ती है, बल्कि आत्मविश्वास भी मजबूत होता है। नियमित योग करने से शरीर की गतिशीलता में सुधार आता है और रोजमर्रा के काम करना आसान हो जाता है। वृक्षासन, ताड़ासन, भुजंगासन और सेतु बंधासन जैसे योगासन बुजुर्गों के लिए विशेष रूप से लाभकारी माने जाते हैं। वृक्षासन शरीर का बैलेंस बेहतर बनाने में मदद करता है, जबकि ताड़ासन सही बॉडी पोस्चर बनाए रखता है। भुजंगासन रीढ़ और पीठ की मांसपेशियों को मजबूत करता है, वहीं सेतु बंधासन कमर और पैरों की ताकत बढ़ाने में सहायक होता है। विशेषज्ञों के अनुसार, रोजाना 20 से 30 मिनट योग करने से गिरने का खतरा कम हो सकता है और शरीर अधिक सक्रिय बना रहता है। हालांकि, किसी भी योगासन की शुरुआत प्रशिक्षित योग शिक्षक की देखरेख में करना अधिक सुरक्षित माना जाता है।

तीन महीने से पुराना टूथब्रश बन सकता है बीमारी की वजह

जानिए कब बदलना है जरूरी

यूनिक समय, नई दिल्ली। सुबह उठते ही दांत साफ करना हमारी रोजमर्रा की जिंदगी का अहम हिस्सा है। अधिकांश लोग दिन में कम से कम दो बार ब्रश करते हैं, लेकिन बहुत कम लोग इस बात पर ध्यान देते हैं कि उनके टूथब्रश की स्थिति कैसी है और उसे कब बदलना चाहिए। विशेषज्ञों के अनुसार, समय पर टूथब्रश न बदलने से दांतों और मसूड़ों से जुड़ी कई समस्याओं का खतरा बढ़ सकता है। हेल्थ एक्सपर्ट्स का कहना है कि सामान्य परिस्थितियों में टूथब्रश को हर 12 से 16 सप्ताह, यानी लगभग 3 से 4 महीने में बदल देना चाहिए। चाहे ब्रश कितना भी महंगा या अच्छी गुणवत्ता का क्यों न हो, लगातार इस्तेमाल के कारण उसके रेशे कमजोर और घिसे हुए हो जाते हैं। ऐसे में वह दांतों की सही तरीके से सफाई नहीं कर पाता। यदि ब्रश के रेशे पहले ही फैल जाएं, मुड़ जाएं या टूटने लगें तो उसे तुरंत बदल देना चाहिए। विशेषज्ञों के मुताबिक, हमारे मुंह में लाखों बैक्टीरिया मौजूद रहते हैं। ब्रश करने से ये बैक्टीरिया और भोजन के कण साफ हो जाते हैं, लेकिन पुराना टूथब्रश दांतों के बीच जमी गंदगी को प्रभावी ढंग से नहीं हटा पाता। इससे प्लाक, कैविटी, मसूड़ों में सूजन और मुंह से बदबू जैसी समस्याएं पैदा हो सकती हैं। लंबे समय तक खराब ब्रश का इस्तेमाल करने से संक्रमण का खतरा भी बढ़ सकता है। डॉक्टर सॉफ्ट ब्रिसल्स वाले टूथब्रश के उपयोग की सलाह देते हैं। यह दांतों और मसूड़ों की सफाई बेहतर तरीके से करता है और नुकसान पहुंचाने की संभावना कम होती है। वहीं, यदि किसी व्यक्ति को फ्लू, वायरल संक्रमण, गले की बीमारी या कोई बैक्टीरियल इंफेक्शन हुआ हो तो ठीक होने के बाद अपना टूथब्रश बदल लेना चाहिए। विशेषज्ञ यह भी सलाह देते हैं कि ब्रश को इस्तेमाल के बाद अच्छी तरह धोकर सूखी और हवादार जगह पर रखा जाए। समय पर टूथब्रश बदलना और उसकी सही देखभाल करना न केवल दांतों को स्वस्थ रखता है, बल्कि संपूर्ण ओरल हेल्थ को बेहतर बनाए रखने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

फैटी लिवर से राहत के लिए डाइट में शामिलरें यह सुपरफूड्स

डॉक्टर शुभम वत्सय ने बताए आसान उपाय

यूनिक समय, नई दिल्ली। आज के समय में फैटी लिवर एक आम लेकिन गंभीर स्वास्थ्य समस्या बनती जा रही है। बदलती जीवनशैली, जंक फूड का बढ़ता सेवन, मीठे पेय पदार्थों की अधिकता और शारीरिक गतिविधियों की कमी के कारण बड़ी संख्या में लोग इस बीमारी की चपेट में आ रहे हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, यदि समय रहते इस समस्या पर ध्यान न दिया जाए तो यह लिवर में सूजन, फाइब्रोसिस और अन्य गंभीर बीमारियों का कारण बन सकती है। हालांकि अच्छी बात यह है कि शुरुआती चरण में फैटी लिवर को सही खान–पान और स्वस्थ जीवनशैली के जरिए काफी हद तक नियंत्रित किया जा सकता है। मशहूर डॉक्टर और हेल्थ एक्सपर्ट डॉ. शुभम वत्सय ने हाल ही में अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक वीडियो साझा कर बताया कि कुछ खास खाद्य पदार्थों को नियमित डाइट में शामिल करके फैटी लिवर की समस्या को कम करने में मदद मिल सकती है। उन्होंने तीन ऐसे फूड्स बताए हैं जो लिवर की सेहत के लिए बेहद फायदेमंद माने जाते हैं। डॉ. शुभम के अनुसार ब्लैक कॉफी फैटी लिवर के मरीजों के लिए एक बेहतर विकल्प हो सकती है। बिना दूध और बिना चीनी वाली ब्लैक कॉफी में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स और अन्य सक्रिय तत्व लिवर को स्वस्थ बनाए रखने में मदद करते हैं। नियमित और सीमित मात्रा में ब्लैक कॉफी का सेवन लिवर एंजाइम्स को संतुलित रखने और लिवर फाइब्रोसिस के खतरे को कम करने में सहायक हो सकता है। कई शोधों में भी कॉफी को लिवर हेल्थ के लिए लाभकारी बताया गया है। दूसरा महत्वपूर्ण फूड हरी पत्तेदार सब्जियां हैं। पालक, मेथी, सरसों और अन्य हरी सब्जियों में नाइट्रेट्स, फाइबर और पॉलीफेनॉल्स जैसे पोषक तत्व भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं। ये तत्व लिवर में जमा अतिरिक्त फैट को कम करने में मदद कर सकते हैं। इसके अलावा हरी सब्जियां शरीर को जरूरी विटामिन, मिनरल्स और एंटीऑक्सीडेंट्स भी प्रदान करती हैं, जिससे संपूर्ण स्वास्थ्य बेहतर रहता है। तीसरा फायदेमंद खाद्य पदार्थ ब्रोकली है। ब्रोकली में सल्फोराफेन नामक एक शक्तिशाली यौगिक पाया जाता है, जो लिवर को विषैले तत्वों से बचाने और उसकी प्राकृतिक सफाई प्रक्रिया को मजबूत करने में मदद करता है। विशेषज्ञों का मानना है कि नियमित रूप से ब्रोकली का सेवन लिवर की कार्यक्षमता को बेहतर बनाने में सहायक हो सकता है। डॉ. शुभम ने यह भी बताया कि ओमेगा–3 फैटी एसिड से भरपूर खाद्य पदार्थ, जैसे सैल्मन और सार्डिन मछली, लिवर की सूजन और ट्राइग्लिसराइड्स के स्तर को कम करने में मदद कर सकते हैं। वहीं फैटी लिवर से पीड़ित लोगों को चीनी, कोल्ड ड्रिंक्स, तले हुए खाद्य पदार्थों और अल्ट्रा–प्रोसेस्ड फूड्स का सेवन कम से कम करना चाहिए।

सुविचार

भगवान भक्ति से जीवन में मिलता सच्चा आनंद।

कल का पंचांग

तिथि	त्रयोदशी	07:36-04:08 तक	पक्ष	कृष्ण पक्ष
नक्षत्र	कृत्तिका	04:05-01:16 तक	माह	ज्येष्ठ
सूर्योदय		5:27 AM	चन्द्रोदय	03:10 AM
सूर्यास्त		7:10 PM	चंद्रास्त	05:31 PM
सूर्य राशि		वृषभ राशि	चंद्र	वृषभ राशि
शुभ मुहूर्त		11:50AM -12:45 PM	ब्रहम् मुहूर्त	03:51-04:39
त्योहार/व्रत			विक्रम संवत्	2083
राहुकाल		08:53 AM: 10:36 AM	वार	शनिवार

ब्रज के मंदिरों के दर्शन

ब्रज की सभी कथा और श्री राधा कृष्ण की सभी लीलाओं के दर्शन यूनिक समय चैनल के माध्यम से करें।

Youtube Channel : https://youtube.com/uniquesamay

मंदिर खुलने व बंद होने का समय

- श्रीबांके बिहारीजी मंदिर में सुबह 8.00 से दोपहर 01.30बजे तक और शाम 4.00 से रात 9.00 बजे तक।
- श्रीकृष्ण जन्मभूमि में श्री गर्भगृह के दर्शन सुबह 6.30 बजे से रात 9 बजे तक।
- श्रीकृष्ण जन्मभूमि के भागवत भवन व अन्य मंदिर में सुबह 6.30 बजे से दोपहर 12 बजे तक और शाम 4 बजे से रात 9 बजे तक।
- द्वारकाधीश मंदिर में सुबह 6.30 बजे से 11 बजे तक और शाम 4 बजे से 7.30 बजे तक।

कल का राशिफल

मेष: कल आत्मविश्वास बढ़ेगा। कार्यक्षेत्र में नई जिम्मेदारी मिल सकती है। परिवार का सहयोग रहेगा। निवेश सोच-समझकर करें।

वृषभ: आर्थिक मामलों में सफलता के संकेत हैं। रुका धन मिलने की संभावना बनेगी। मित्रों का साथ मिलेगा।

मिथुन: करियर में प्रगति के अवसर प्राप्त होंगे। नई योजनाएं सफल हो सकती हैं। विद्यार्थियों को लाभ मिलेगा।

कर्क: भावनात्मक निर्णय लेने से बचें। कार्यक्षेत्र में धैर्य रखें। परिवार के साथ समय बिताने का अवसर मिलेगा।

सिंह: नेतृत्व क्षमता से सफलता मिलेगी। नौकरी और व्यापार में लाभ संभव है। सम्मान बढ़ेगा। महत्वपूर्ण लोगों से मुलाकात होगी।

कन्या: कल योजनाबद्ध तरीके से कार्य करें। मेहनत का अच्छा परिणाम मिलेगा। परिवार में खुशी का माहौल रहेगा।

तुला: साझेदारी के कार्यों में सफलता मिलेगी। दांपत्य जीवन सुखद रहेगा। नए संपर्क लाभदायक साबित होंगे।

वृश्चिक: कार्यक्षेत्र में आपकी प्रतिभा की सराहना होगी। पुराने विवाद सुलझ सकते हैं। धन लाभ के योग बनेंगे। स्वास्थ्य में सुधार होगा। आत्मविश्वास बढ़ेगा।

धनु: भाग्य का साथ मिलेगा। धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। करियर संबंधी निर्णय लाभदायक रहेंगे।

मकर: व्यापार में नए अवसर प्राप्त होंगे। कार्यों में सफलता मिलने से उत्साह बढ़ेगा। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी।

कुंभ: रचनात्मक कार्यों में सफलता मिलेगी। नई योजनाओं पर काम शुरू कर सकते हैं। मित्रों का सहयोग मिलेगा। धन संबंधी मामलों में सावधानी बरतें।

मीन: कल सकारात्मक सोच लाभ दिलाएगी। कार्यक्षेत्र में प्रगति के संकेत हैं। परिवार में सुख-शांति रहेगी।

घर की चौखट पर बैठना क्यों माना जाता है अशुभ

घर की चौखट से जुड़ा है आस्था का गहरा संबंध

धर्म और वास्तु में विशेष क्यों मानी जाती चौखट

यूनिक समय, मथुरा। भारतीय संस्कृति में घर की चौखट या दहलीज को केवल प्रवेश द्वार नहीं, बल्कि शुभ ऊर्जा और सकारात्मकता का प्रतीक माना जाता है। यही कारण है कि बड़े-बुजुर्ग अक्सर घर की दहलीज पर बैठने या उसे अव्यवस्थित रखने से मना करते हैं। धार्मिक मान्यताओं, ज्योतिष और वास्तु शास्त्र में भी चौखट का विशेष महत्व बताया गया है।

मान्यता के अनुसार चौखट वह स्थान है जहां से घर में सुख, समृद्धि और शुभ ऊर्जा का प्रवेश होता है। इसी वजह से कई परिवार सुबह-शाम मुख्य द्वार और दहलीज की सफाई करते हैं तथा दीपक जलाने और रंगोली सजाने जैसी परंपराओं का पालन करते हैं। माना जाता है कि स्वच्छ और सम्मानित दहलीज घर में सकारात्मक वातावरण बनाए रखती है।

धार्मिक कथाओं में भी चौखट का विशेष उल्लेख मिलता है। पौराणिक मान्यता के अनुसार भगवान विष्णु ने नरसिंह अवतार में असुर राजा हिरण्यकशिपु का वध घर की चौखट पर किया था। यह स्थान न पूरी तरह घर के भीतर था और न बाहर, इसलिए इसे दिव्य और पवित्र माना गया। इसी कारण दहलीज के प्रति सम्मान रखने की परंपरा विकसित हुई।

MANNAT GROUP
Building Your Vision, Creating Reality

ज्योतिष शास्त्र में मुख्य द्वार को ऊर्जा का प्रमुख केंद्र माना गया है। मान्यता है कि यहां से शुभ और अशुभ दोनों प्रकार की ऊर्जाओं का प्रभाव घर में प्रवेश करता है। इसलिए चौखट पर बैठना या उसे बाधित करना सकारात्मक ऊर्जा के प्रवाह में रुकावट माना जाता है। वास्तु शास्त्र के अनुसार भी मुख्य द्वार घर का मुख होता है। विशेषज्ञों का मानना है कि दहलीज को साफ-सुथरा और व्यवस्थित रखने से घर में सुख-शांति और समृद्धि बनी रहती है। शाम के समय इसका महत्व और बढ़ जाता है, क्योंकि धार्मिक विश्वासों के अनुसार इस समय माता लक्ष्मी का आगमन होता है।

हालांकि ये सभी बातें आस्था और परंपराओं पर आधारित हैं, लेकिन भारतीय समाज में चौखट का सम्मान आज भी सांस्कृतिक विरासत और धार्मिक विश्वास का महत्वपूर्ण हिस्सा माना जाता है।

धरती मां के विश्राम की अनोखी मान्यता

तीन दिन विश्राम करती हैं धरती मां

22 जून से शुरू होगा आध्यात्मिक महापर्व

26 जून को खुलेंगे मां कामाख्या के कपाट

यूनिक समय, मथुरा। असम के गुवाहाटी स्थित मां कामाख्या मंदिर में आयोजित होने वाला अंबुबाची मेला देश के सबसे अनोखे और रहस्यमय धार्मिक आयोजनों में गिना जाता है। यह पर्व केवल आस्था का केंद्र नहीं, बल्कि स्त्री शक्ति, प्रकृति और सृजन के सम्मान का प्रतीक भी माना जाता है। हर वर्ष लाखों श्रद्धालु, साधु-संत और तांत्रिक साधक इस मेले में भाग लेने पहुंचते हैं।

वर्ष 2026 में अंबुबाची मेले की शुरुआत 22 जून की रात से होगी और इसका समापन 26 जून की सुबह होगा। इस दौरान मां कामाख्या मंदिर के कपाट तीन दिनों तक बंद रहेंगे। धार्मिक मान्यता के अनुसार इन दिनों मां कामाख्या वार्षिक रजस्वला अवस्था में रहती हैं, इसलिए मंदिर में नियमित दर्शन और पूजा-अर्चना स्थगित कर दी जाती है।

अंबुबाची मेले को दो प्रमुख चरणों में विभाजित किया जाता है। पहला चरण 'प्रवृत्ति' कहलाता है, जिसमें 23 से 25 जून तक मंदिर का गर्भगृह बंद रहता है। दूसरा चरण 'निवृत्ति' कहलाता है, जिसमें 26 जून को विशेष अनुष्ठानों और शुद्धिकरण के बाद मंदिर के कपाट श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए जाते हैं।

इस मेले से जुड़ी एक विशेष मान्यता यह भी है कि जिस प्रकार एक महिला रजस्वला काल में विश्राम करती है, उसी प्रकार इन तीन दिनों में धरती मां भी विश्राम करती हैं। यही कारण है कि कई लोग इस अवधि में खेती, भूमि खुदाई और अन्य शुभ कार्यों से परहेज करते हैं। इसे प्रकृति की सृजन शक्ति के सम्मान का प्रतीक माना जाता है।

मां कामाख्या मंदिर की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यहां देवी की पूजा किसी मूर्ति के रूप में नहीं होती। गर्भगृह में स्थित प्राकृतिक शिलाखंड को शक्ति स्वरूप माना जाता है। मेले के बाद श्रद्धालुओं को 'अंगोदक' और 'अंगवस्त्र ' प्रसाद के रूप में दिया जाता है, जिन्हें देवी की कृपा और शक्ति का प्रतीक माना जाता है।

अंबुबाची मेला भारतीय संस्कृति में प्रकृति, नारी शक्ति और आध्यात्मिक चेतना के अद्भुत संगम का संदेश देता है, जो इसे देश के सबसे महत्वपूर्ण धार्मिक आयोजनों में शामिल करता है।

घर में कनखजूरा दिखना क्या देता है शुभ-अशुभ संकेत?

यूनिक समय, मथुरा। घर में अचानक कनखजूरा दिखाई देना कई लोगों के लिए जिज्ञासा का विषय बन जाता है। ज्योतिष, शकुन शास्त्र और लोक मान्यताओं में इसे अलग-अलग संकेतों से जोड़कर देखा जाता है। हालांकि विशेषज्ञ मानते हैं कि ऐसे संकेतों को अंधविश्वास के बजाय सांस्कृतिक मान्यताओं के रूप में समझना चाहिए।

लोक मान्यताओं के अनुसार यदि कनखजूरा घर में दिखाई देकर बिना किसी नुकसान के बाहर निकल जाए, तो इसे सकारात्मक बदलाव और रुके हुए कार्यों के आगे बढ़ने का संकेत माना जाता है। वहीं मुख्य द्वार या सीढ़ियों की ओर जाता कनखजूरा कुछ परंपराओं में नकारात्मक ऊर्जा के दूर होने का प्रतीक माना जाता है।

दूसरी ओर, यदि कनखजूरा बार-बार घर के अंदर या रसोई क्षेत्र में दिखाई दे, तो इसे सतर्क रहने का संकेत माना जाता है। ऐसी स्थिति में घर की साफ-सफाई, स्वास्थ्य और घरेलू व्यवस्था पर विशेष ध्यान देने की सलाह दी जाती है। रसोई को समृद्धि और स्वास्थ्य का केंद्र माना जाता है, इसलिए वहां ऐसे जीवों का दिखना स्वच्छता की आवश्यकता का संकेत समझा जाता है। कुछ ज्योतिषीय मान्यताओं में कनखजूरे को राहु की ऊर्जा से भी जोड़ा जाता है, जो रहस्य और अचानक बदलाव का कारक माना जाता है। इसी कारण इसे नुकसान पहुंचाने के बजाय सुरक्षित तरीके से घर के बाहर छोड़ने की सलाह दी जाती है।

धार्मिक और पारंपरिक मान्यताओं के अनुसार नियमित सफाई, सकारात्मक वातावरण, प्रार्थना और अनावश्यक विवादों से बचना घर में शुभता बनाए रखने के उपाय माने जाते हैं।

अधिकमास अमावस्या पर इन पांच राशियों को बरतनी होगी विशेष सावधानी

सेहत, धन और मानसिक तनाव बढ़ा सकते हैं चुनौतियां

ज्योतिषियों ने सतर्कता और संयम की दी सलाह

यूनिक समय, मथुरा। अधिकमास अमावस्या 15 जून को पड़ रही है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार अमावस्या के दिन चंद्रमा की शक्ति क्षीण होने से मानसिक स्थिति पर विशेष प्रभाव पड़ता है। इस दौरान नकारात्मक विचार, तनाव, भय और असमंजस की स्थिति बढ़ सकती है। ज्योतिष विशेषज्ञों का मानना है कि इस बार अधिकमास अमावस्या पर पांच राशियों के जातकों को विशेष सतर्क रहने की आवश्यकता है।

वृषभ राशि के लोगों को स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। ऊर्जा की कमी और थकान महसूस हो सकती है। परिवार में किसी बात को लेकर विवाद की स्थिति बनने से मानसिक तनाव बढ़ सकता है। साथ ही अनावश्यक खर्च आर्थिक परेशानी का कारण बन सकता है।

सिंह राशि के जातकों को भावनात्मक रूप से मजबूत रहने की सलाह दी गई है। निजी बातें केवल विश्वसनीय लोगों से साझा करें। स्वास्थ्य के प्रति लापरवाही नुकसान पहुंचा सकती है। बाहर के भोजन से बचना और संतुलित आहार लेना लाभदायक रहेगा। नियमित व्यायाम से शारीरिक और मानसिक ऊर्जा बनी रहेगी।

कन्या राशि वालों के लिए आर्थिक मामलों में सावधानी जरूरी होगी। किसी को उधार देने या अनावश्यक खर्च करने से बचना चाहिए। धन हानि की आशंका के कारण बजट बनाकर चलना बेहतर रहेगा। छोटी-मोटी स्वास्थ्य समस्याएं भी परेशान कर सकती हैं, इसलिए मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य दोनों पर ध्यान देना आवश्यक है। तुला राशि के लोगों को अपनी वाणी पर नियंत्रण रखना होगा। किसी भी प्रकार की कटु टिप्पणी रिश्तों में तनाव पैदा कर सकती है। अनजाना भय और मानसिक बेचैनी परेशान कर सकती है। योग, ध्यान और सकारात्मक सोच से मन को शांत रखने में मदद मिलेगी। कुंभ राशि वालों को आर्थिक मामलों में अतिरिक्त सतर्कता बरतनी होगी। फिजूलखर्ची से बचें और किसी नए निवेश का निर्णय सोच-समझकर लें। क्रोध और जल्दबाजी नुकसान पहुंचा सकती है। निर्णय लेने में भ्रम की स्थिति उत्पन्न हो सकती है, इसलिए धैर्य और विवेक से काम लेना बेहतर रहेगा। ज्योतिषाचार्यों का कहना है कि अमावस्या के दिन पूजा-पाठ, ध्यान, दान और सकारात्मक गतिविधियों में समय बिताने से मानसिक संतुलन बना रहता है। हालांकि किसी भी भविष्यवाणी को अंतिम सत्य मानने के बजाय इसे सामान्य ज्योतिषीय संकेत के रूप में ही देखना चाहिए। संयम, सतर्कता और सकारात्मक सोच से संभावित चुनौतियों का प्रभाव काफी हद तक कम किया जा सकता है।

सम्पादकीय

देश में बढ़ती बुजुर्ग आबादी बढ़ा रही चिंता

पवन गौतम
संपादक

भारत एक ऐसे जनसांख्यिकीय परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है, जो आने वाले वर्षों में देश के सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक ढांचे को गहराई से प्रभावित करेगा। घटती प्रजनन दर और बढ़ती जीवन प्रत्याशा के कारण बुजुर्ग आबादी का अनुपात लगातार बढ़ रहा है। विशेषज्ञों का अनुमान है कि अगले तीन दशकों में देश की बुजुर्ग आबादी 13 से 15 प्रतिशत तक पहुंच सकती है। यह बदलाव केवल आंकड़ों का विषय नहीं है, बल्कि यह हमारे परिवारों, सामाजिक व्यवस्थाओं और सरकारी नीतियों के सामने नई चुनौतियां भी खड़ी कर रहा है। भारत की सबसे बड़ी ताकत उसकी युवा आबादी मानी जाती है। लेकिन जब कार्यशील आयु वर्ग का अनुपात धीरे-धीरे कम होगा और बुजुर्गों की संख्या बढ़ेगी, तब सामाजिक सुरक्षा का प्रश्न और महत्वपूर्ण हो जाएगा। सबसे बड़ी चिंता यह है कि वृद्धजन सम्मानपूर्वक, सुरक्षित और आत्मनिर्भर जीवन कैसे जी सकें। इसके लिए केवल परिवारों पर निर्भर रहना पर्याप्त नहीं होगा, बल्कि सरकार और समाज को भी अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी। बढ़ती महंगाई, शिक्षा और स्वास्थ्य पर बढ़ते खर्च तथा छोटे परिवारों की बढ़ती प्रवृत्ति ने पारिवारिक ढांचे को बदल दिया है। संयुक्त परिवार अब तेजी से एकल परिवारों में बदल रहे हैं। महिलाओं की बढ़ती कार्य भागीदारी ने भी पारंपरिक देखभाल व्यवस्था को प्रभावित किया है। ऐसे में अनेक बुजुर्ग अकेलेपन, उपेक्षा और असुरक्षा की भावना से जूझ रहे हैं। यह स्थिति केवल आर्थिक नहीं, बल्कि भावनात्मक और सामाजिक चिंता का विषय भी है। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि बुजुर्ग केवल देखभाल के पात्र नहीं हैं, बल्कि वे अनुभव, ज्ञान और मार्गदर्शन के अमूल्य स्रोत भी हैं। उनके जीवन अनुभव समाज की धरोहर हैं। इसलिए ऐसी नीतियों की आवश्यकता है जो उन्हें सक्रिय और सम्मानजनक जीवन जीने का अवसर दें। सरकार को पेंशन, स्वास्थ्य बीमा और वृद्धजन कल्याण योजनाओं को अधिक प्रभावी बनाना होगा। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों से लेकर सुपर स्पेशियलिटी अस्पतालों तक बुजुर्गों के लिए विशेष सुविधाएं विकसित करनी होंगी। साथ ही समाज को भी यह समझना होगा कि वृद्धजनों की देखभाल केवल पारिवारिक दायित्व नहीं, बल्कि एक संगठित सामाजिक व्यवस्था का हिस्सा है। बदलती जनसंख्या संरचना हमें चेतावनी भी दे रही है और अवसर भी प्रदान कर रही है। यदि आज से दूरदर्शी नीतियां बनाई गईं और सामाजिक संवेदनशीलता को मजबूत किया गया, तो भारत अपने बुजुर्ग नागरिकों को सुरक्षित, सम्मानजनक और खुशहाल जीवन देने में सफल हो सकेगा। यही एक संवेदनशील और विकसित समाज की पहचान भी होगी।

संपादकीय सुनने के लिए मोबाइल से QR कोड को स्कैन करें।

नजरिया

आग बुझाने से नहीं,आग रोकने से बनेंगे सुरक्षित शहर

राम कुमार अग्रवाल

भारत के शहर तेजी से बदल रहे हैं। ऊंची-ऊंची इमारतें, आधुनिक आवासीय परिसर, स्मार्ट सिटी परियोजनाएं और चमकदार बुनियादी ढांचा देश की आर्थिक प्रगति का प्रतीक बनकर उभर रहे हैं। लेकिन विकास की इस चमक के पीछे एक ऐसा अंधेरा भी है, जिसे हम अक्सर तब तक नहीं देखते जब तक कोई बड़ा हादसा हमारी आंखें न खोल दे। यह अंधेरा है अग्नि सुरक्षा की अनदेखी का। जब भी किसी बहुमंजिला इमारत, अस्पताल, बाजार या आवासीय सोसायटी में आग लगती है, तब केवल इमारतें नहीं जलतीं, बल्कि परिवारों के सपने, वर्षों की मेहनत और कई बार अनमोल जीवन भी राख हो जाते हैं। देश में आग लगने की घटनाएं अब अपवाद नहीं रहीं। लगभग हर बड़े शहर में समय-समय पर ऐसे हादसे सामने आते हैं, जो प्रशासनिक लापरवाही, कमजोर निगरानी और सुरक्षा नियमों की उपेक्षा की पोल खोल देते हैं। दुखद यह है कि हर दुर्घटना के बाद एक तयशुदा क्रम दोहराया जाता है। शोक व्यक्त किया जाता है, जांच के आदेश दिए जाते हैं, मुआवजे की घोषणा होती है और दोषियों पर कार्रवाई के आश्वासन दिए जाते हैं। कुछ दिनों तक चर्चा होती है, फिर मामला ठंडा पड़ जाता है और अगला हादसा होने तक सब कुछ सामान्य मान लिया जाता है। वास्तविक प्रश्न यह है कि आखिर हम हर बार हादसे के बाद ही क्यों जागते हैं? क्या हमारे शहरों में सुरक्षा केवल कागजों पर मौजूद एक औपचारिकता बनकर रह गई है? हाल के वर्षों में सामने आए आंकड़े चिंता को और बढ़ाते हैं। बड़ी संख्या में आवासीय सोसायटियां और बहुमंजिला भवन ऐसे हैं, जिनके पास वैध अग्नि सुरक्षा प्रमाण-पत्र नहीं हैं या जिनकी सुरक्षा व्यवस्थाएं केवल नाममात्र की हैं। इसका अर्थ यह है कि लाखों लोग रोज ऐसे भवनों में रह रहे हैं, जहां किसी भी समय एक छोटी सी चिंगारी बड़े हादसे का रूप ले सकती है। अग्नि सुरक्षा प्रमाण-पत्र केवल एक सरकारी दस्तावेज नहीं होता। यह इस बात की गारंटी है कि भवन में आग से बचाव के न्यूनतम मानक मौजूद हैं। फायर अलार्म, स्प्रिंकलर सिस्टम, आपातकालीन निकास मार्ग, अग्निरोधक निर्माण सामग्री, पर्याप्त जल भंडारण और अग्निशमन वाहनों की पहुंच जैसी व्यवस्थाएं किसी भी आधुनिक भवन की मूल आवश्यकता हैं। लेकिन वास्तविकता यह है कि कई भवनों में ये व्यवस्थाएं या तो हैं ही नहीं या फिर वर्षों से अनुपयोगी पड़ी हैं।

शहरीकरण की तेज रफ्तार ने इस समस्या को और जटिल बना दिया है। बढ़ती आबादी और महंगी जमीन के कारण शहर ऊपर की ओर बढ़ रहे हैं। बहुमंजिला इमारतें तेजी से बन रही हैं, लेकिन सुरक्षा को उतनी प्राथमिकता नहीं मिल रही जितनी मिलनी चाहिए। कई बार निर्माण के समय नियमों का पालन दिखाया जाता है, लेकिन बाद में रखरखाव की जिम्मेदारी उपेक्षित हो जाती है। सुरक्षा उपकरण खराब हो जाते हैं, निरीक्षण केवल औपचारिकता बन जाते हैं और समय के साथ भवन संभावित खतरे में बदल जाते हैं। स्थिति तब और गंभीर हो जाती है जब निवासी स्वयं भी अनजाने में जोखिम बढ़ाने लगते हैं। आपातकालीन निकास मार्गों पर सामान रख देना, अवैध निर्माण करना, ज्वलनशील पदार्थों का भंडारण करना या अनधिकृत बिजली कनेक्शन लेना आग के खतरे को कई गुना बढ़ा देता है। कई बार लोगों को यह तक नहीं पता होता कि आग लगने की स्थिति में उन्हें सबसे पहले क्या करना चाहिए। यह जागरूकता की कमी भी उतनी ही खतरनाक है जितनी खराब सुरक्षा व्यवस्था।

पुरानी आवासीय सोसायटियों की स्थिति विशेष चिंता का विषय है। दशकों पहले बनी इमारतें आज कहीं अधिक आबादी और संसाधनों का भार उठा रही हैं। उस समय की विद्युत व्यवस्था, सुरक्षा मानक और निर्माण तकनीक आज की आवश्यकताओं के अनुरूप नहीं हैं। यदि इन भवनों का समय रहते आधुनिकीकरण नहीं किया गया, तो वे भविष्य में बड़े हादसों का कारण बन सकते हैं। कई शहरों में संकरी गलियां और अव्यवस्थित पार्किंग अग्निशमन वाहनों के लिए अतिरिक्त चुनौती बन चुकी हैं। आग लगने के बाद कुछ मिनटों की देरी भी अनेक जिंदगियों पर भारी पड़ सकती है। सबसे बड़ी विडंबना यह है कि भारत में आपदा प्रबंधन पर तो चर्चा होती है, लेकिन आपदा रोकथाम पर अपेक्षित ध्यान नहीं दिया जाता। हम हादसे के बाद राहत और बचाव पर संसाधन खर्च करते हैं, जबकि उससे पहले सुरक्षा सुनिश्चित करने में अपेक्षाकृत कम निवेश करते हैं। मुआवजा किसी खोए हुए जीवन की भरपाई नहीं कर सकता। वास्तविक सफलता तब होगी जब हादसा होने ही न दिया जाए।

इस दिशा में सबसे पहले मजबूत प्रवर्तन की आवश्यकता है। नियम तभी प्रभावी होते हैं जब उनका पालन सुनिश्चित किया जाए। सभी बहुमंजिला भवनों और आवासीय परिसरों का नियमित और स्वतंत्र सुरक्षा ऑडिट होना चाहिए। केवल कागजी रिपोर्टों पर भरोसा करने के बजाय वास्तविक निरीक्षण को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। जिन भवनों में सुरक्षा मानकों का पालन नहीं हो रहा, उनके खिलाफ कठोर कार्रवाई होनी चाहिए।

तकनीक इस चुनौती का प्रभावी समाधान बन सकती है। यदि अग्नि सुरक्षा प्रमाण-पत्र, निरीक्षण रिपोर्ट और सुरक्षा अनुपालन की जानकारी डिजिटल प्लेटफॉर्म पर सार्वजनिक की जाए, तो नागरिक भी निगरानी प्रक्रिया का हिस्सा बन सकते हैं। पारदर्शिता बढ़ने से जवाबदेही स्वतः मजबूत होगी। आज जब अधिकांश सरकारी सेवाएं डिजिटल हो रही हैं, तब अग्नि सुरक्षा निगरानी को भी तकनीक से जोड़ना समय की मांग है।

साथ ही शहरी नियोजन को भी सुरक्षा केंद्रित बनाना होगा। किसी भी नई परियोजना की स्वीकृति से पहले अग्नि जोखिम मूल्यांकन अनिवार्य होना चाहिए। चौड़ी सड़कें, पर्याप्त खुले स्थान, आपातकालीन निकासी मार्ग और अग्निशमन वाहनों की निर्बाध पहुंच को विकास का अनिवार्य हिस्सा बनाया जाना चाहिए। केवल इमारत खड़ी कर देना विकास नहीं कहलाता, उसमें रहने वालों की सुरक्षा सुनिश्चित करना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। नागरिक सहभागिता के बिना यह लक्ष्य पूरा नहीं हो सकता। आवासीय सोसायटियों और रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशनों को नियमित फायर ड्रिल, सुरक्षा प्रशिक्षण और जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने चाहिए। स्कूलों में अग्नि सुरक्षा शिक्षा को पाठ्यक्रम और व्यवहारिक प्रशिक्षण का हिस्सा बनाया जाना चाहिए। जिस तरह हम सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने का प्रयास करते हैं, उसी तरह अग्नि सुरक्षा को भी जनआंदोलन का रूप देना होगा।

सरकार, स्थानीय निकाय, अग्निशमन विभाग, बिल्डर, आवासीय संस्थाएं और नागरिक-सभी की साझा जिम्मेदारी है कि शहरों को सुरक्षित बनाया जाए। विकास का अर्थ केवल आर्थिक समृद्धि नहीं, बल्कि सुरक्षित और सम्मानजनक जीवन भी है। यदि किसी शहर की चमकती इमारतें अपने नागरिकों की सुरक्षा की गारंटी नहीं दे सकतीं, तो उस विकास की चमक अधूरी है। समय आ गया है कि अग्नि सुरक्षा को अतिरिक्त सुविधा नहीं, बल्कि मौलिक अधिकार माना जाए। शहरों की असली पहचान उनकी ऊंची इमारतों से नहीं, बल्कि उनमें रहने वाले लोगों की सुरक्षा से तय होगी। जब तक हर भवन, हर सोसायटी और हर शहर में अग्नि सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता नहीं दी जाती, तब तक विकास का दावा अधूरा ही रहेगा। हमें हादसों के बाद जागने की संस्कृति छोड़कर सुरक्षा को विकास की पहली शर्त बनाना होगा। यही जिम्मेदार शासन, संवेदनशील समाज और सुरक्षित भविष्य की पहचान होगी।

विचार विण्डो

दहेज की जंजीर तोड़े बिना नहीं बदलेगा समाज

बोध प्रकाश सगुणी

देश की सर्वोच्च अदालत ने हाल ही में एक दहेज मृत्यु मामले में जो टिप्पणियां की हैं, वे केवल एक मुकदमे तक सीमित नहीं हैं, बल्कि पूरे समाज के लिए आईना हैं। अदालत ने सवाल उठाया कि क्या उस युवती का जीवन बचाया जा सकता था, जिसने विवाह के कुछ ही महीनों बाद प्रताड़ना से त्रस्त होकर दुनिया छोड़ दी। यह प्रश्न केवल न्यायालय का नहीं, बल्कि हर उस परिवार का है जो अपनी बेटी की पीड़ा को समझौते की चादर से ढंक देने की कोशिश करता है।

दहेज उत्पीड़न और दहेज हत्या की घटनाएं आज भी यह साबित कर रही हैं कि आधुनिकता, शिक्षा और आर्थिक विकास के बावजूद समाज की सोच में अपेक्षित बदलाव नहीं आया है। बेटियां जब अपने माता-पिता के पास मदद की गुहार लेकर पहुंचती हैं, तब वे केवल सलाह नहीं, बल्कि सुरक्षा चाहती हैं। दुर्भाग्य यह है कि अनेक परिवार सामाजिक प्रतिष्ठा, रिश्तेदारी और लोक-लाज के दबाव में उन्हें वापस उसी माहौल में भेज देते हैं, जहां उनका शोषण हो रहा होता है। कई बार यह निर्णय उनकी जिंदगी की सबसे बड़ी त्रासदी साबित होता है।

उत्तर प्रदेश भी इस सामाजिक समस्या से अछूता नहीं है। प्रदेश के विभिन्न जिलों में आए दिन दहेज उत्पीड़न, घरेलू हिंसा और संदिग्ध परिस्थितियों में विवाहिता की मृत्यु की खबरें सामने आती रहती हैं। पुलिस थानों में दर्ज होने वाले मुकदमे यह संकेत देते हैं कि समस्या केवल कानून की नहीं, बल्कि मानसिकता की है। चिंता की बात यह है कि अनेक मामले तो सामाजिक दबाव या पारिवारिक बदनामी के भय से दर्ज ही नहीं हो पाते।

दहेज निषेध अधिनियम को लागू हुए छह दशक से अधिक समय बीत चुका है। कानूनों को समय-समय पर और कठोर बनाया गया। दहेज हत्या, उत्पीड़न और घरेलू हिंसा के खिलाफ सख्त प्रावधान जोड़े गए। इसके बावजूद यह कुप्रथा समाज में जीवित है। इसका कारण स्पष्ट है-कानून अपराध को दंडित कर सकता है, लेकिन सोच को नहीं बदल सकता। जब तक समाज स्वयं दहेज को अस्वीकार नहीं करेगा, तब तक कानूनों की प्रभावशीलता सीमित ही रहेगी।

विडंबना यह है कि आज भी अनेक परिवार दहेज को बेटी की सुरक्षा का माध्यम मानते हैं। विवाह के समय महंगी कार, नकदी, जेवर और घरेलू सामान देकर वे यह सोचते हैं कि उनकी बेटी का भविष्य सुरक्षित हो जाएगा।

लेकिन वास्तविकता अक्सर इसके विपरीत होती है। जहां लालच की शुरुआत हो जाती है, वहां मांगों का अंत नहीं होता। जो परिवार एक बार दहेज स्वीकार करता है, वह भविष्य में और अधिक अपेक्षाओं के साथ खड़ा दिखाई देता है। उत्तर प्रदेश जैसे बड़े और सामाजिक रूप से विविध राज्य में यह समस्या कई रूपों में दिखाई देती है। ग्रामीण क्षेत्रों में दहेज को परंपरा के नाम पर स्वीकार किया जाता है, जबकि शहरी क्षेत्रों में इसे आधुनिक स्वरूप दे दिया गया है।

कहीं इसे उपहार कहा जाता है, कहीं सम्मान और कहीं सामाजिक प्रतिष्ठा। नाम भले बदल जाएं, लेकिन मूल भावना वही रहती है-विवाह को आर्थिक लेन-देन का माध्यम बना देना। सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि दहेज अब केवल आवश्यकता नहीं, बल्कि सामाजिक प्रतिस्पर्धा का विषय बन चुका है। किसी परिवार ने विवाह में कितना खर्च किया, कितनी कारें मिलीं, कितने तोले सोना आया-ये बातें समाज में चर्चा का विषय बनती हैं। यही चर्चा दूसरे परिवारों की अपेक्षाओं को जन्म देती है।

परिणामस्वरूप विवाह संस्कार नहीं, प्रदर्शन का मंच बन जाता है।

समस्या का समाधान केवल पुलिस कार्रवाई या न्यायिक हस्तक्षेप में नहीं है। इसकी शुरुआत परिवार से होनी चाहिए। यदि बेटी विवाह के बाद किसी प्रकार की प्रताड़ना की शिकायत करे तो उसे सामान्य वैवाहिक विवाद मानकर नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। हर शिकायत को गंभीरता से लेना आवश्यक है। परिवारों को यह समझना होगा कि समझौता हर समस्या का समाधान नहीं होता। कई बार समय पर लिया गया कठोर निर्णय किसी बेटी की जिंदगी बचा सकता है।

शिक्षण संस्थानों, सामाजिक संगठनों और धार्मिक मंचों को भी इस दिशा में सक्रिय भूमिका निभानी होगी। विवाह से पहले युवाओं को यह शिक्षा दी जानी चाहिए कि दहेज लेना और देना दोनों सामाजिक अपराध हैं। समाज में ऐसे परिवारों को सम्मान मिलना चाहिए जो बिना दहेज के विवाह करते हैं। वहीं दहेज मांगने वालों को सामाजिक स्वीकृति देने के बजाय उनका खुलकर विरोध होना चाहिए।

उत्तर प्रदेश सरकार और सामाजिक संस्थाओं को भी जागरूकता अभियानों को और प्रभावी बनाना होगा। पंचायत स्तर से लेकर शहरों तक ऐसे कार्यक्रम चलाने की आवश्यकता है, जिनमें दहेज मुक्त विवाह को प्रोत्साहन मिले। साथ ही महिलाओं के लिए सहायता केंद्रों, परामर्श सेवाओं और कानूनी सहायता तंत्र को मजबूत करना भी समय की मांग है।

सच यह है कि दहेज केवल एक कानूनी अपराध नहीं, बल्कि सामाजिक बीमारी है। इसका इलाज अदालतों के आदेशों से नहीं, बल्कि समाज के सामूहिक संकल्प से होगा। जिस दिन माता-पिता दहेज की मांग करने वाले परिवार को तुरंत अस्वीकार कर देंगे, जिस दिन बेटियां ऐसी मांगों के सामने झुकने से इनकार कर देंगी और जिस दिन समाज दहेज को प्रतिष्ठा नहीं बल्कि शर्म का विषय मानने लगेगा, उसी दिन इस कुप्रथा के अंत की शुरुआत होगी। दहेज के खिलाफ लड़ाई किसी एक बेटी की नहीं, पूरे समाज की लड़ाई है। यदि हम वास्तव में सुरक्षित और सम्मानजनक समाज का निर्माण करना चाहते हैं, तो हमें अपनी सोच बदलनी होगी। क्योंकि जब तक दहेज की जंजीरें नहीं टूटेंगी, तब तक समानता, सम्मान और महिला सशक्तिकरण के दावे अधूरे ही रहेंगे।

एक्टिंग छोड़ टेलर बनूंगा: खुराना

यूनिक समय, नई दिल्ली। स्त्री' और 'दंगल' जैसी फिल्मों से पहचान बनाने वाले अपारशक्ति खुराना ने अपने करियर को लेकर एक ऐसा खुलासा किया है, जिसने फैंस को हैरान कर दिया है। नेहा धूपिया और अंगद बेदी के पॉडकास्ट 'डबल डेट' में बातचीत के दौरान एक्टर ने बताया कि वह अगले 10–12 साल में एक्टिंग की दुनिया से दूरी बनाना चाहते हैं।

अपारशक्ति का कहना है कि उनका असली पैशन टेलरिंग है और वह भविष्य में कपड़े डिजाइन करने से लेकर उन्हें खुद काटने और सिलने तक की पूरी कला सीखना चाहते हैं। उन्होंने खुलासा किया कि मुंबई आने के शुरुआती दिनों में वह कुछ टीवी होस्ट्स के लिए स्टाइलिस्ट के तौर पर भी काम कर चुके हैं।

बातचीत के दौरान अपारशक्ति ने अपनी निजी जिंदगी पर भी बात की और बताया कि पत्नी आकृति अहूजा से शादी के बाद उनकी किस्मत बदली और इंडस्ट्री से बड़े ऑफर्स मिलने शुरू हुए। जल्द ही वह एक तमिल फिल्म में नजर आने वाले हैं।

चोटों ने बढ़ाईं हार्दिक पांड्या की मुश्किलें

वनडे और टी20 टीम से बाहर

यूनिक समय, नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या के करियर को लेकर नई चिंताएं सामने आने लगी हैं। एक समय सीमित ओवरों के क्रिकेट में टीम इंडिया के सबसे भरोसेमंद खिलाड़ियों में गिने जाने वाले हार्दिक फिलहाल राष्ट्रीय टीम की किसी भी फॉर्मेट की योजना का हिस्सा नजर नहीं आ रहे हैं। लगातार फिटनेस समस्याओं और चोटों के कारण उनकी वापसी पर अनिश्चितता के बादल छा गए हैं।

हार्दिक पांड्या ने साल 2016 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया था और अपनी आक्रामक बल्लेबाजी व तेज गेंदबाजी से जल्द ही टीम के अहम खिलाड़ी बन गए। उन्होंने 2017 में टेस्ट क्रिकेट में डेब्यू किया, लेकिन चोटों के कारण उनका टेस्ट करियर लंबा नहीं चल सका। वर्ष 2018 के बाद से उन्होंने कोई टेस्ट मैच नहीं खेला है। 11 टेस्ट मुकाबलों में उनके नाम 532 रन हैं, जिनमें एक शतक और चार अर्धशतक शामिल हैं। वनडे क्रिकेट में भी हार्दिक लंबे समय से मैदान से दूर हैं। उन्होंने अपना आखिरी वनडे मुकाबला मार्च 2025 में खेला था, जो चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का फाइनल था। इसके बाद उन्हें अफगानिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज के लिए संभावित टीम में शामिल किया गया था, लेकिन उनकी फिटनेस को लेकर शर्त रखी गई थी।

राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी में फिटनेस परीक्षण के बाद पहले उन्हें फिट बताया गया, लेकिन अगले ही दिन पुरानी चोट उभरने की खबर सामने आई और वे सीरीज से बाहर हो गए।

स्थिति टी20 क्रिकेट में भी बेहतर नहीं दिख रही है। हार्दिक ने भारत के लिए आखिरी टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच मार्च 2026 में न्यूजीलैंड के खिलाफ खेला था। इसके बाद वे आईपीएल में सक्रिय रहे, लेकिन आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ घोषित भारतीय टी20 टीम में उनका नाम शामिल नहीं किया गया। इससे यह संकेत मिल रहा है कि चयनकर्ता फिलहाल उनकी फिटनेस और उपलब्धता को लेकर पूरी तरह आश्वस्त नहीं हैं। लगातार चोटों और टीम से बाहर रहने के कारण अब सबसे बड़ा सवाल यही है कि हार्दिक की वापसी कब होगी। भारतीय टीम में उनकी उपयोगिता पर कोई सवाल नहीं है, लेकिन फिटनेस ही उनके करियर की सबसे बड़ी चुनौती बनती जा रही है। क्रिकेट प्रशंसकों की निगाहें अब उनकी रिकवरी और टीम इंडिया में वापसी पर टिकी हुई हैं।

वापसी को लेकर बढ़ी अनिश्चितता

शहर में किलर का आतंक, इंस्पेक्टर परेशान नजर

यूनिक समय, नई दिल्ली। ओटीटी प्लेटफॉर्म पर साउथ की क्राइम–थ्रिलर फिल्मों का क्रेज लगातार बढ़ता जा रहा है। ऐसी ही एक दमदार फिल्म 'सेकंड केस ऑफ सीताराम' दर्शकों को साइको–किलर और मर्डर मिस्ट्री की रोमांचक दुनिया में ले जाती है। 2026 में रिलीज हुई यह भारतीय क्राइम–थ्रिलर फिल्म 2021 की हिट 'सीताराम बिन केस नंबर 18' का सीक्वल है। विजय राघवेंद्र स्टारर इस फिल्म का निर्देशन और सह–निर्माण देवी प्रसाद शेट्टी ने किया है। करीब 1 घंटा 56 मिनट की यह कहानी सस्पेंस, एक्शन और ट्विस्ट से भरपूर है, जो दर्शकों को अंत तक बांधे रखती है। फिल्म में जांच अधिकारियों की रोमांचक यात्रा दिखाई गई है, जहां वे सुरागों को जोड़कर खतरनाक साइको–किलर तक पहुंचने की कोशिश करते हैं। हर मोड़ पर आने वाले अप्रत्याशित खुलासे कहानी को और भी दिलचस्प बनाते हैं। मर्डर मिस्ट्री का यह तड़का दर्शकों की जिज्ञासा को बढ़ाता है और उन्हें सोचने पर मजबूर करता है। यह फिल्म प्राइम वीडियो पर उपलब्ध है

'काला हिरण' फिल्म को लेकर सलमान खान पहुंचे कोर्ट

यूनिक समय, नई दिल्ली। बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान ने आगामी फिल्म 'काला हिरणः बैटल फॉर लेगेसी' को लेकर दिल्ली हाई कोर्ट का रुख किया है। अभिनेता ने फिल्म के निर्माण, प्रचार, रिलीज और स्ट्रीमिंग पर रोक लगाने की मांग करते हुए याचिका दायर की है। याचिका में सलमान खान का आरोप है कि फिल्म 1998 के चर्चित काला हिरण शिकार मामले से प्रेरित है और इसके जरिए उनकी पहचान तथा सार्वजनिक छवि का उपयोग किया जा रहा है। उनका दावा है कि फिल्म में एक ऐसे कलाकार को दिखाया गया है, जिसकी प्रस्तुति और कुछ प्रतीकात्मक चीजें उनकी छवि से मेल खाती हैं। अभिनेता की कानूनी टीम का कहना है कि यह मामला उनके व्यक्तित्व और प्रचार अधिकारों से जुड़ा है। साथ ही, फिल्म की रिलीज से उनके खिलाफ चल रही कानूनी प्रक्रिया और सार्वजनिक धारणा प्रभावित हो सकती है। इसी आधार पर अदालत से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की गई है। बताया जा रहा है कि सलमान खान इससे पहले भी फिल्म निर्माताओं को कानूनी नोटिस भेज चुके हैं। नोटिस में फिल्म के विकास और प्रचार गतिविधियों को रोकने की मांग की गई थी। उनका पक्ष है कि जिस विषय से फिल्म को जोड़ा जा रहा है, उससे संबंधित मामला अभी न्यायिक विचाराधीन है। अब इस मामले पर दिल्ली हाईकोर्ट में सुनवाई होने की संभावना है। फिल्म और उससे जुड़े विवाद पर अदालत का फैसला आने के बाद ही आगे की स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

कॉमेडी शो विवाद पर महिला आयोग सख्त

यूनिक समय, नई दिल्ली। गुरुग्राम में आयोजित एक स्टैंड–अप कॉमेडी शो से जुड़े विवाद ने अब कानूनी और सामाजिक स्तर पर गंभीर रूप ले लिया है। राष्ट्रीय महिला आयोग ने वायरल वीडियो का स्वतः संज्ञान लेते हुए कॉमेडियन प्रणित मोरे और दर्शक हिमांशु जांगड़ा को नोटिस जारी किया है। आयोग ने दोनों को 22 जून को व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने के लिए कहा है। आयोग का कहना है कि वायरल वीडियो में महिलाओं और सामाजिक संवेदनशील विषयों को लेकर की गई टिप्पणियां चिंताजनक हैं। मामले को गंभीरता से लेते हुए महिला आयोग की अध्यक्ष ने संबंधित अधिकारियों से त्वरित और प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा है। साथ ही पुलिस से पूरे मामले की विस्तृत रिपोर्ट भी मांगी गई है। विवाद तब और बढ़ गया जब एक अन्य वीडियो सामने आया, जिसमें मेडिकल छात्रा सेजल पवार द्वारा मेडिकल शिक्षा में उपयोग किए जाने वाले शवों और बॉडी डोनर्स को लेकर कथित रूप से आपत्तिजनक टिप्पणियां की गईं। इस पर ऑल इंडिया मेडिकल स्टूडेंट्स एसोसिएशन ने कड़ी आपत्ति जताते हुए इसे चिकित्सा शिक्षा और दानदाताओं के सम्मान के खिलाफ बताया। एसोसिएशन ने कहा कि शरीर दान करने वाले लोग चिकित्सा विज्ञान और भविष्य के डॉक्टरों के प्रशिक्षण में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं, इसलिए उनका मजाक बनाना अस्वीकार्य है। संगठन ने संबंधित व्यक्तियों से सार्वजनिक माफी और उचित कार्रवाई की मांग की है। इधर महाराष्ट्र साइबर सेल ने भी मामले में कार्रवाई करते हुए प्रणित मोरे, हिमांशु जांगड़ा, सेजल पवार और अन्य संबंधित लोगों के खिलाफ विभिन्न कानूनी धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज की है। मामले की जांच जारी है और आने वाले दिनों में इसमें नए घटनाक्रम सामने आ सकते हैं।

आपत्तिजनक टिप्पणियों पर बढ़ा कानूनी शिकंजा

न्यूजीलैंड महिला टीम में युवाओं मिलेगा बड़ा मौका

तीन युवा खिलाड़ियों को मिला अनुबंध

यूनिक समय, नई दिल्ली। क्रिकेट बोर्ड ने 2026–27 सत्र के लिए महिला टीम के केंद्रीय अनुबंध खिलाड़ियों की सूची जारी कर दी है। इस बार टीम में युवा प्रतिभाओं को प्राथमिकता देते हुए फ्लोरा डेवनशायर, नेन्सी पटेल और इजी शार्प को पहली बार केंद्रीय अनुबंध प्रदान किया गया है। इन खिलाड़ियों ने घरेलू और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रभावशाली प्रदर्शन कर चयनकर्ताओं का ध्यान आकर्षित किया। फ्लोरा डेवनशायर अपनी आक्रामक बल्लेबाजी और स्पिन गेंदबाजी के लिए जानी जाती हैं, जबकि नेन्सी पटेल ने सीमित ओवरों के क्रिकेट में अपनी सटीक गेंदबाजी से पहचान बनाई है। इजी शार्प भी घरेलू क्रिकेट में लगातार शानदार प्रदर्शन कर रही हैं। वहीं न्यूजीलैंड महिला क्रिकेट के लिए एक युग का अंत भी करीब है। अनुभवी खिलाड़ी सूजी बेट्स, सोफी डिवाइन और लिया ताहुहु ने आगामी महिला टी20 विश्व कप 2026 के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने का फैसला किया है। इसके अलावा लॉरेन डाउन पहले ही अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह चुकी हैं। टीम प्रबंधन अब भविष्य को ध्यान में रखते हुए युवा खिलाड़ियों को तैयार करने की रणनीति पर काम कर रहा है। आने वाले समय में कप्तान मेली केर टीम की अगुवाई करेंगी। उन्हें मैडी ग्रीन और रोजमेरी मैयर जैसी अनुभवी खिलाड़ियों का सहयोग मिलेगा। न्यूजीलैंड क्रिकेट का यह कदम टीम में नए बदलाव और भविष्य की तैयारी के रूप में देखा जा रहा है। बोर्ड को उम्मीद है कि युवा और अनुभवी खिलाड़ियों का संतुलन टीम को आने वाले बड़े टूर्नामेंटों में मजबूत बनाएगा।

वर्ली में श्रेयस अय्यर का नया आशियाना

यूनिक समय, नई दिल्ली। भारतीय टी20 टीम के कप्तान श्रेयस अय्यर ने मुंबई के पॉश वर्ली इलाके में एक बेहद लग्जरी अपार्टमेंट किराये पर लिया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह आलीशान घर तीन साल की लीज पर लिया गया है, जिसके लिए अय्यर कुल 7.14 करोड़ रुपये किराया चुकाएंगे। करीब 3,875 वर्ग फुट में फैले इस अपार्टमेंट में समुद्र का खूबसूरत नजारा और चार कार पार्किंग जैसी प्रीमियम सुविधाएं मौजूद हैं। लीज के पहले साल का मासिक किराया 18.50 लाख रुपये तय किया गया है। वर्ली मुंबई के सबसे महंगे और प्रतिष्ठित इलाकों में शुमार है, जहां कई उद्योगपति, सेलिब्रिटी और क्रिकेटर रहते हैं।

भारतीय शूटिंग के सितारे जसपाल राणा का निधन

यूनिक समय, नई दिल्ली। भारतीय निशानेबाजी जगत के लिए शुक्रवार का दिन बेहद दुखद रहा। देश के दिग्गज पिस्टल शूटर, एशियन गेम्स के स्वर्ण पदक विजेता और प्रसिद्ध कोच जसपाल राणा का 49 वर्ष की आयु में निधन हो गया। उनके निधन की खबर से खेल जगत में शोक की लहर दौड़ गई है। जानकारी के अनुसार, इस सप्ताह की शुरुआत में विदेश यात्रा से लौटते समय उनकी तबीयत अचानक बिगड़ गई थी। अस्वस्थ महसूस होने पर उन्हें दिल्ली के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका उपचार चल रहा था। तमाम प्रयासों के बावजूद चिकित्सक उन्हें बचा नहीं सके। उनके निधन की पुष्टि राष्ट्रीय राइफल संघ ने की। जसपाल राणा भारतीय शूटिंग के सबसे सफल खिलाड़ियों में गिने जाते थे। उन्होंने एशियन गेम्स, कॉमनवेल्थ गेम्स और विभिन्न अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में शानदार प्रदर्शन करते हुए कई पदक अपने नाम किए। उस दौर में जब शूटिंग को सीमित पहचान प्राप्त थी, उन्होंने अपने प्रदर्शन से इस खेल को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया।

खिलाड़ी जीवन से संन्यास लेने के बाद राणा ने कोचिंग के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उन्होंने युवा निशानेबाजों को तैयार करने में अहम भूमिका निभाई और कई प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय मंच तक पहुंचाया। उनकी देखरेख में तैयार हुए कई खिलाड़ी विश्व स्तर पर भारत का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। ओलंपिक पदक विजेता मनु भाकर सहित कई नामी निशानेबाजों के करियर को संवारने में भी उनका महत्वपूर्ण योगदान रहा। उनकी तकनीकी समझ, अनुशासन और खिलाड़ियों के प्रति समर्पण ने उन्हें भारतीय शूटिंग का एक सम्मानित मार्गदर्शक बना दिया था। जसपाल राणा का निधन भारतीय खेल जगत के लिए एक अपूरणीय क्षति माना जा रहा है। खिलाड़ी, कोच और खेल प्रशासक उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित कर रहे हैं। उनकी उपलब्धियां और योगदान आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा बने रहेंगे।

49 वर्ष की उम्र में ली अंतिम सांस

खेल जगत में शोक, खिलाड़ियों ने दी श्रद्धांजलि

वर्ल्ड कप में मैक्सिको कोरिया विजयी

यूनिक समय, नई दिल्ली। फीफा वर्ल्ड कप 2026 का आगाज रोमांच और ड्रामे से भरपूर रहा। उद्घाटन मुकाबले में को–होस्ट मैक्सिको ने दक्षिण अफ्रीका को 2–0 से हराकर जीत के साथ टूर्नामेंट की शुरुआत की। जूलियन और राउल जिमेनेज के गोलों ने मैक्सिको को आसान जीत दिलाई, जबकि मैच में तीन खिलाड़ियों को रेड कार्ड दिखाए जाने से मुकाबला चर्चा का विषय बन गया।

दूसरी ओर, दक्षिण कोरिया ने चेकिया को 2–1 से हराकर अपने अभियान का विजयी आगाज किया। पहले हाफ में कोई गोल नहीं हुआ, लेकिन दूसरे हाफ में तीन गोल देखने को मिले। हांग इन बियोम और ओह हियोन ग्यू के गोलों की बदौलत कोरिया ने शानदार वापसी करते हुए जीत दर्ज की। पहले दिन मैक्सिको और दक्षिण कोरिया चमके, जबकि दक्षिण अफ्रीका और चेकिया को हार का सामना करना पड़ा।

वाराणसी कोर्ट में महिला ने रचा अजीब ड्रामा

महिला का कोर्ट में हंगामा जज की कुर्सी पर बैठी

यूनिक समय, वाराणसी। वाराणसी जिला अदालत में शुक्रवार सुबह उस समय हंगामा मच गया जब एक महिला अचानक जिला जज की कुर्सी पर जाकर बैठ गई। महिला ने टेबल पर रखा हैमर उठाकर जोर से "ऑर्डर–ऑर्डर" कहा और खुद को जज बताते हुए वकीलों से कहा कि आज वही सुनवाई करेगी। इस अप्रत्याशित घटना से कोर्ट में मौजूद वकील और कर्मचारी हैरान रह गए।

महिला ने कोर्ट रूम में रखी फाइलें पलटनी शुरू कर दीं और वकीलों से कहा कि गवाह और सबूत पेश किए जाएं। जब वकीलों ने उसका वीडियो बनाना शुरू किया तो वह भड़क गई और उन्हें धमकाने लगी। इसके बाद वहां अफरा–तफरी का माहौल बन गया। सूचना मिलने पर महिला पुलिस मौके पर पहुंची और उसे समझाने की कोशिश की, लेकिन वह कुर्सी से नहीं उठी। काफी मशक्कत के बाद पुलिस ने उसे जज की कुर्सी से हटाकर हिरासत में ले लिया और कैंट थाने भेज दिया।

करीब एक घंटे तक कोर्ट परिसर में यह ड्रामा चलता रहा। घटना के समय जिला जज अवकाश पर थे। मामले की जानकारी मिलते ही अपर जिला जज मौके पर पहुंचे और सुरक्षा व्यवस्था पर नाराजगी जताई। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से रिपोर्ट तलब की है।

बताया जा रहा है कि महिला पहले भी कई बार कोर्ट परिसर में इसी तरह का व्यवहार कर चुकी है। पुलिस अब उसकी मानसिक स्थिति और पूरे घटनाक्रम की जांच कर रही है।

अखिलेश यादव का भाजपा पर बड़ा हमला

यूनिक समय, कासगंज । कासगंज में समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार और केंद्र की नीतियों पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि भारत की आर्थिक और विदेश नीतियां अमेरिका के प्रभाव में बन रही हैं और देश का बाजार "गिरवी" रखा जा रहा है।

अखिलेश यादव ने आरोप लगाया कि सरकार महंगाई को नियंत्रित करने में विफल रही है और पेट्रोल–डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी के साथ मिलावट की समस्या भी बढ़ी है। उन्होंने कहा कि स्मार्ट सिटी के नाम पर वादे पूरे नहीं हुए, जबकि आम जनता पर आर्थिक बोझ बढ़ता जा रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि देश में स्कूलों की स्थिति खराब हो रही है, जबकि शराब की दुकानों की संख्या बढ़ती जा रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि सरकार की प्राथमिकताएं गलत दिशा में हैं।

अखिलेश यादव ने दावा किया कि जनता अब बदलाव चाहती है और 2027 के चुनावों में इसका असर देखने को मिलेगा।

खुर्जा जंक्शन हादसा: रेलवे ट्रैक पर हुआ जोरदार प्रदर्शन

चौकी इंचार्ज समेत तीन निलंबित

परिजनों ने थाने पहुंचकर किया हंगामा

यूनिक समय, अलीगढ़। अलीगढ़ में खुर्जा जंक्शन हादसे को लेकर बड़ा बवाल खड़ा हो गया है। 11 जून को स्टेशन पर पानी की बोतल को लेकर शुरू हुए विवाद में कैंटीन संचालक अमरदीप की मौत के बाद मामला लगातार तूल पकड़ता जा रहा है। घटना के विरोध में मृतक के परिजन और स्थानीय लोग गुरुवार को अलीगढ़ जीआरपी थाने पहुंच गए और जमकर हंगामा किया। इसके बाद गुस्साए लोग रेलवे ट्रैक पर भी उतर आए, जिससे कुछ समय के लिए रेल यातायात और सुरक्षा व्यवस्था प्रभावित हुई।

परिजनों का आरोप है कि स्टेशन पर तैनात जीआरपी कर्मियों और अमरदीप के बीच पहले कहासुनी हुई, जो बाद में मारपीट में बदल गई। बताया जा रहा है कि एक सिपाही के लिए पानी मांगने के दौरान विवाद शुरू हुआ था। इसी

दौरान अमरदीप और उसके साथ मौजूद लोगों के साथ हाथापाई हुई। इसके बाद अमरदीप अचानक रेलवे ट्रैक की ओर दौड़ पड़ा और ट्रेन की चपेट में आ गया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

घटना का एक सीसीटीवी वीडियो भी सामने आया है, जिसके बाद मामले ने और गंभीर रूप ले लिया है। वीडियो के आधार पर जांच एजेंसियां पूरे घटनाक्रम की बारीकी से जांच कर रही हैं। वहीं परिजनों का कहना है कि पुलिसकर्मियों के व्यवहार से आहत होकर अमरदीप ने यह कदम उठाया।

हंगामे के दौरान रेलवे ट्रैक पर प्रदर्शन करने पहुंचे लोगों को पुलिस और रेलवे अधिकारियों ने समझा–बुझाकर हटाया। थाने में देर रात तक तनावपूर्ण माहौल बना रहा।

मामले की गंभीरता को देखते हुए जीआरपी प्रशासन ने कार्रवाई करते हुए चौकी इंचार्ज समेत तीन पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया है। अधिकारियों का कहना है कि पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच की जा रही है और सीसीटीवी फुटेज व गवाहों के बयान के आधार पर आगे की कार्रवाई तय की जाएगी।

शताब्दी एक्सप्रेस पर पथराव में दो नाबालिग पकड़े

सीसीटीवी जांच से आरोपियों की पहचान

ट्रेन में सफर कर रहे थे मोहन भागवत

यूनिक समय, फिरोजाबाद। फिरोजाबाद में शताब्दी एक्सप्रेस ट्रेन पर हुए पथराव के मामले में पुलिस ने दो नाबालिगों को हिरासत में लिया है। यह घटना उस समय हुई जब आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत उसी ट्रेन में यात्रा कर रहे थे। पत्थरबाजी से एक खिड़की का शीशा टूट गया, हालांकि किसी के घायल होने की सूचना नहीं है।

रसूलपुर थाना क्षेत्र में हुई इस घटना के बाद रेलवे सुरक्षा बल, जीआरपी और स्थानीय पुलिस ने संयुक्त रूप से जांच शुरू की। पुलिस ने 50 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की फुटेज

खंगाली, जिसके आधार पर तीन नाबालिगों की पहचान की गई। पुलिस के अनुसार, पकड़े गए बच्चे कबाड़ बीनने का काम करते हैं और उन्हें इस बात की जानकारी नहीं थी कि ट्रेन में कौन सफर कर रहा था। पूछताछ में यह भी सामने आया कि इनमें से एक ने ही ट्रेन पर पत्थर फेंका था। सभी नाबालिगों को बाल कल्याण समिति के सामने पेश किया जाएगा और मामले की आगे जांच जारी है।

लखनऊ–दिल्ली इंडिगो फ्लाइट में बम की अफवाह से हड़कंप

टॉयलेट पेपर पर मिली धमकी, यात्रियों में दहशत

जांच के बाद निकली फर्जी सूचना, राहत मिली

यूनिक समय, लखनऊ। लखनऊ से दिल्ली जा रही इंडिगो की एक फ्लाइट में उस समय अफरा–तफरी मच गई जब विमान के टॉयलेट में टिशू पेपर पर बम धमाके की धमकी लिखी मिलने की सूचना सामने आई। यह घटना सुबह उस समय हुई जब विमान टेकऑफ के लिए पूरी तरह तैयार था और उसमें लगभग 180 यात्री सवार थे।

जैसे ही क्रू मेंबर को टॉयलेट में संदिग्ध संदेश मिला, तुरंत इसकी जानकारी पायलट को दी गई। पायलट ने बिना देरी किए एयर ट्रैफिक कंट्रोल को अलर्ट किया, जिसके बाद एयरपोर्ट पर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई।

सूचना मिलते ही बम निरोधक दस्ता, डॉग स्क्वॉड, फायर ब्रिगेड और मेडिकल टीम मौके पर पहुंच गई और पूरे विमान की गहन जांच शुरू की गई। इस दौरान यात्रियों को सुरक्षित तरीके से विमान से बाहर निकाला गया, जिससे हवाई अड्डे पर कुछ समय के लिए दहशत का माहौल बन गया। करीब लंबी जांच के बाद किसी भी प्रकार का विस्फोटक या संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। सुरक्षा एजेंसियों ने पुष्टि की कि यह पूरी तरह से फर्जी धमकी थी, जिसे किसी शरारती तत्व ने अफवाह फैलाने के उद्देश्य से लिखा था।

जांच के बाद यात्रियों ने राहत की सांस ली और एयरपोर्ट प्रशासन ने स्थिति को सामान्य घोषित किया। फिलहाल संबंधित एजेंसियां इस मामले की जांच कर रही हैं कि यह संदेश किसने और कैसे विमान तक पहुंचाया।

कॉकरोच पार्टी के आंदोलन पर छात्रों का प्रदर्शन

यूनिक समय, लखनऊ। लखनऊ के इको गार्डन में शुक्रवार को हजारों छात्रों और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे अभ्यर्थियों ने पेपर लीक के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया। इस दौरान करीब 6 हजार से अधिक छात्र मौजूद रहे और उन्होंने सरकार व परीक्षा व्यवस्था के खिलाफ नारेबाजी की। प्रदर्शन का मुख्य मुद्दा पेपर लीक मामलों में जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई और पारदर्शी परीक्षा प्रणाली की मांग रहा।

इसी बीच कॉकरोच जनता पार्टी के प्रमुख अभिजीत दीपके भी प्रदर्शन स्थल पर पहुंचे। उन्होंने करीब 40 मिनट तक सभा को संबोधित किया और आंदोलन को लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत बताया। उन्होंने कहा कि देश का निर्माण आंदोलनों से हुआ है और यदि आंदोलन नहीं होते तो लोकतंत्र भी संभव नहीं था। दीपके ने पेपर लीक मामलों पर कड़ा रुख अपनाते हुए कहा कि चाहे यूपीएसआई हो, नीट हो या सीबीएसई

पार्टी प्रमुख ने आंदोलन को बताया देशभक्ति

परीक्षा, सभी मामलों में दोषियों को इस्तीफा देना चाहिए और सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। उन्होंने 20 जून को दिल्ली में बड़े प्रदर्शन का भी आह्वान किया।

प्रदर्शन स्थल पर आरएएफ, पीएसी और स्थानीय पुलिस सहित 1500 से अधिक जवानों की तैनाती की गई थी। सुरक्षा के बीच आंदोलन शांतिपूर्ण रूप से चला, लेकिन कुछ छात्रों ने कॉकरोच पार्टी की मौजूदगी का विरोध भी किया। उनका कहना था कि यह आंदोलन छात्रों का है और इसमें राजनीतिक हस्तक्षेप नहीं होना चाहिए।

प्रदर्शन के दौरान भारी भीड़, नारेबाजी और पोस्टर–बैनर ने माहौल को काफी गर्म बनाए रखा, जबकि प्रशासन स्थिति पर लगातार नजर बनाए रहा।

अदिति यादव विवाद में चार पर एफआईआर दर्ज

सोशल मीडिया पोस्ट से मचा बवाल

साइबर सेल कर रही मामले जांच

यूनिक समय, लखनऊ। लखनऊ में अखिलेश यादव की बेटी अदिति यादव को लेकर सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक पोस्ट के मामले ने बड़ा राजनीतिक और कानूनी रूप ले लिया है। इस प्रकरण में कानपुर और प्रतापगढ़ में चार लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। आरोप है कि फर्जी, एडिटेड और आपत्तिजनक सामग्री सोशल मीडिया पर साझा कर अदिति की छवि धूमिल करने की कोशिश की गई। पुलिस ने मामला दर्ज कर साइबर सेल को जांच सौंपी है और डिजिटल साक्ष्यों को इकट्ठा किया जा रहा है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, जिन सोशल मीडिया आईडी से पोस्ट किए गए हैं, उनकी पहचान और लोकेशन ट्रेस की जा रही है। प्रारंभिक जांच में कुछ फर्जी अकाउंट्स के जरिए पोस्ट फैलाने की बात सामने आई है। वहीं मामले में राजनीतिक बयानबाजी भी तेज हो गई है। सपा और भाजपा नेताओं ने इस मामले पर अलग–अलग प्रतिक्रियाएं दी हैं। कुछ नेताओं ने इसे बेहद निंदनीय बताया है और दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है, जबकि कुछ ने राजनीतिक आरोप–प्रत्यारोप भी लगाए हैं। अदिति यादव वर्तमान में विदेश में पढ़ाई कर रही हैं। इस घटना के बाद सोशल मीडिया पर बहस तेज हो गई है और मामला लगातार सुर्खियों में बना हुआ है।

यमुना में कूदे प्रेमी जोड़े को गोताखोरों ने बचाया

यूनिक समय, आगरा । आगरा के थाना एत्माद्दौला क्षेत्र स्थित जवाहर पुल पर गुरुवार शाम एक प्रेमी जोड़े ने यमुना नदी में छलांग लगा दी। घटना शाम करीब 6 बजे की है, जब युवक और युवती एक–दूसरे का हाथ पकड़कर पुल पर पहुंचे और अचानक नदी में कूद गए। राहगीरों ने तुरंत शोर मचाया, जिसके बाद यमुना किनारे मौजूद गोताखोरों ने तेजी दिखाते हुए दोनों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, दोनों पानी में संघर्ष कर रहे थे, लेकिन समय रहते बचाव कार्य होने से बड़ा हादसा टल गया। घटना के बाद इलाके में अफरा–तफरी मच गई। पुलिस ने युवती की पहचान डॉली और युवक की पहचान विनोद के रूप में की है। बताया गया है कि युवती शादीशुदा है और उसके परिजनों ने एक दिन पहले ही उसकी गुमशुदगी दर्ज कराई थी। युवक खंदौली क्षेत्र का रहने वाला बताया जा रहा है।

सुप्रीम कोर्ट से मीनाक्षी नटराजन को बड़ा झटका

याचिका खारिज, हाईकोर्ट जाने की सलाह

यूनिक समय, नई दिल्ली। कांग्रेस नेता मीनाक्षी नटराजन को मध्य प्रदेश राज्यसभा चुनाव विवाद में सुप्रीम कोर्ट से बड़ा झटका लगा है। सुप्रीम कोर्ट ने उनकी याचिका खारिज करते हुए कहा कि यह मामला सुनवाई योग्य नहीं है और वे चाहें तो हाईकोर्ट का रुख कर सकती हैं।

नटराजन ने चुनाव आयोग और रिटर्निंग अधिकारी के उस फैसले को चुनौती दी थी, जिसके तहत उनका राज्यसभा नामांकन रद्द कर दिया गया था।

उन पर नामांकन पत्र में हैदराबाद की एक अदालत में लंबित आपराधिक मामले की जानकारी छिपाने का आरोप है। इसी आधार पर उनका नामांकन निरस्त कर दिया गया, जिसके बाद

भाजपा उम्मीदवार महेश केवट निर्विरोध निर्वाचित घोषित हो गए।

सुनवाई के दौरान वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी ने नटराजन का पक्ष रखते हुए कहा कि जब तक किसी मामले में आरोप तय नहीं होते, तब तक उसकी जानकारी नामांकन पत्र में देना अनिवार्य नहीं है। उन्होंने इंदिरा गांधी बनाम राजनारायण मामले का हवाला देते हुए चुनाव में समान अवसर के सिद्धांत की बात भी उठाई। सिंघवी ने यह भी कहा कि उन्हें पर्याप्त सुनवाई का अवसर नहीं मिला, जिसके कारण चुनावी मुकाबला समाप्त हो गया।

वहीं, चुनाव आयोग की ओर से कहा गया कि आयोग के पास हस्तक्षेप

राज्यसभा चुनाव विवाद ने बढ़ाई मुश्किलें

का अधिकार नहीं था और रिटर्निंग अधिकारी ने जनप्रतिनिधित्व अधिनियम के अनुसार कार्रवाई की है।

इस पूरे घटनाक्रम ने कांग्रेस को बड़ा राजनीतिक झटका दिया है। पार्टी अब इस मुद्दे को राजनीतिक और कानूनी दोनों स्तरों पर उठाने की तैयारी में है। कांग्रेस ने राष्ट्रपति से मिलने का समय भी मांगा है और इस मामले को लेकर विरोध प्रदर्शन की रणनीति बनाई जा रही है। दूसरी ओर मीनाक्षी नटराजन का कहना है कि उन्होंने कोई जानकारी नहीं छिपाई और उन पर लगाए गए आरोप तथ्यात्मक रूप से गलत हैं।

तुगलकाबाद में पांच मंजिला इमारत में आग

धुएं से दम घुटने से तीन लोगों की मौत

यूनिक समय, नई दिल्ली। दिल्ली के तुगलकाबाद एक्सटेंशन इलाके में शुक्रवार तड़के पांच मंजिला रिहायशी इमारत में भीषण आग लगने से बड़ा हादसा हो गया। इस दर्दनाक घटना में तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि आठ लोगों को सुरक्षित बचा लिया गया।

दमकल विभाग के अनुसार, आग की सूचना रात करीब 2:25 बजे मिली, जिसके बाद फायर ब्रिगेड की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। आग ग्राउंड फ्लोर पर खड़े वाहनों में लगी थी, लेकिन तेजी से फैले धुएं ने पूरी इमारत को अपनी चपेट में ले लिया। धुएं के कारण कई लोग ऊपरी मंजिलों पर फंस गए और दम घुटने से तीन लोगों की मौत हो गई। मृतकों में दो महिलाएं और एक पुरुष शामिल हैं। वहीं बचाए गए आठ लोगों में कई महिलाएं भी हैं, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। दमकल कर्मियों ने रेस्क्यू ऑपरेशन

दमकल ने आठ लोगों को बचाया

चलाकर सुबह तक स्थिति पर काबू पा लिया। संकरी गली में स्थित इमारत होने के कारण राहत कार्य में काफी कठिनाई आई। आग पर लगभग 3:45 बजे नियंत्रण पाया गया और बाद में पूरी तरह बुझा दिया गया। पुलिस और दमकल विभाग मामले की जांच में जुटे हैं और आग लगने के कारणों का पता लगाया जा रहा है।

रिटेल पेट्रोल पंप से कॉमर्शियल खरीद पर रोक

अब एक दिन मिलेगा 200 लीटर डीजल

बल्क खरीदारों को महंगा मिलेगा डीजल

यूनिक समय, नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने पेट्रोल और डीजल की बिक्री को लेकर बड़ा बदलाव किया है। नए आदेश के तहत अब कॉमर्शियल और फैक्ट्री उपयोगकर्ता रिटेल पेट्रोल पंप से ईंधन नहीं खरीद सकेंगे। उन्हें केवल अधिकृत बल्क सप्लाई चैनलों से ही ईंधन लेना होगा।

आम ग्राहकों के लिए भी एक सीमा तय की गई है, जिसके तहत कोई भी व्यक्ति एक दिन में अधिकतम 200 लीटर डीजल ही खरीद सकेगा। साथ ही खरीदे गए डीजल को दोबारा बेचने पर पूरी तरह प्रतिबंध रहेगा। सरकार ने यह कदम देश

के कुछ हिस्सों में रिटेल पंपों पर अचानक बढ़ी हुई मांग और असामान्य बिक्री को देखते हुए उठाया है। आदेश शुरुआती तौर पर 90 दिनों के लिए लागू किया गया है, जिसे आगे बढ़ाया भी जा सकता है। रिपोर्ट के अनुसार रिटेल और बल्क कीमतों में भारी अंतर होने से कॉमर्शियल यूजर्स रिटेल पंपों की ओर बढ़ रहे थे। इसी कारण बल्क सप्लाई को मजबूत करने और रिटेल फ्यूल की उपलब्धता बनाए रखने के लिए यह निर्णय लिया गया है। सरकार ने स्पष्ट किया है कि देश में ईंधन की कोई कमी नहीं है और यह व्यवस्था केवल आपूर्ति को संतुलित रखने के लिए लागू की गई है। उल्लंघन करने पर सख्त कार्रवाई का भी प्रावधान रहेगा।

मॉडल के बैग से निकला 11.82 करोड़ का गांजा

यूनिक समय, नई दिल्ली। मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर कस्टम विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुए बैंकॉक से लौटी एक महिला मॉडल को भारी मात्रा में नशीले पदार्थ के साथ गिरफ्तार किया है। अधिकारियों के अनुसार महिला के ट्रॉली बैग से 11.824 किलोग्राम हाइड्रोपोनिक गांजा बरामद किया गया, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत 11.82 करोड़ रुपये बताई जा रही है। जानकारी के मुताबिक, 28 वर्षीय महिला की गतिविधियां एयरपोर्ट पर संदिग्ध लगीं, जिसके बाद एयर इंटेलिजेंस यूनिट और कस्टम अधिकारियों ने उसे रोककर पूछताछ की। सामान की तलाशी के दौरान ट्रॉली बैग से 12 वैक्यूम–सील पैकेट बरामद हुए।

संकट में ममता के साथ दिखे बिहारी बाबू शत्रुध्न सिन्हा

कीर्ति आजाद ने बागियों पर साधा निशाना

यूनिक समय, नई दिल्ली। पश्चि म बंगाल विधानसभा चुनाव के बाद तृणमूल कांग्रेस गहरे राजनीतिक संकट से गुजर रही है। पार्टी के भीतर असंतोष खुलकर सामने आने लगा है और कई नेताओं के बागी तेवरों ने नेतृत्व की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। इसी बीच टीएमसी के दो प्रमुख नेताओं शत्रुघ्न सिन्हा और कीर्ति आजाद ने ममता बनर्जी के प्रति अपनी निष्ठा दोहराते हुए साफ संदेश दिया है कि वे हर हाल में पार्टी नेतृत्व के साथ खड़े रहेंगे। आसनसोल से सांसद शत्रुघ्न सिन्हा ने बागी गुट में शामिल होने की अटकलों को खारिज करते हुए कहा कि संकट के समय ममता बनर्जी का साथ छोड़ना गद्दारी होगी। उन्होंने याद दिलाया कि राजनीतिक मुश्किलों के दौर में ममता बनर्जी ने उनका साथ दिया था, इसलिए अब उनका समर्थन करना उनका कर्तव्य है। वहीं, सांसद कीर्ति आजाद ने बागी नेताओं पर तीखा हमला बोलते हुए उन्हें पार्टी के प्रति वफादार रहने की नसीहत दी। उन्होंने दावा किया कि बागी गुट के समर्थन के दावे बढ़ा–चढ़ाकर पेश किए जा रहे हैं। आजाद ने भरोसा जताया कि ममता बनर्जी इस संकट से उबरकर पार्टी को फिर मजबूत स्थिति में ले जाएंगी।

टीएमसी में जारी अंदरूनी खींचतान के बीच इन दोनों नेताओं का खुला समर्थन ममता बनर्जी के लिए बड़ी राहत माना जा रहा है।

फरारी के बाद गिरफ्तार हुए टीएमसी नेता जहांगीर

यूनिक समय, नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल की राजनीति में चर्चित टीएमसी नेता जहांगीर खान की गिरफ्तारी के बाद नया राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया है। विधानसभा चुनाव के बाद फरार चल रहे जहांगीर खान को पश्चि म बंगाल स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने नेपाल सीमा के पास से गिरफ्तार कर लिया।

गिरफ्तारी के बाद जहांगीर खान का एक वीडियो और तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं। इनमें उन्हें पुलिस सुरक्षा के बीच शहर में ले जाते हुए देखा जा सकता है। कभी हजारों समर्थकों के बीच राजनीतिक सभाओं में नजर आने वाले जहांगीर की यह तस्वीरें लोगों के बीच चर्चा का

विषय बनी हुई हैं।

जहांगीर खान के खिलाफ फलता पुलिस थाने में चुनाव से जुड़े मामलों सहित करीब सात एफआईआर दर्ज हैं। इन मामलों को लेकर उन्हें पहले कलकत्ता हाईकोर्ट से अस्थायी राहत मिली थी, ताकि वे

नेपाल सीमा के पास हुई गिरफ्तारी, सात एफआईआर से बढ़ीं मुश्किलें

पुनर्मतदान प्रक्रिया में हिस्सा ले सकें। हालांकि बाद में यह सुरक्षा समाप्त हो गई थी।

गिरफ्तारी के बाद आईपीएस अधिकारी अजय पाल शर्मा भी चर्चा में आ गए हैं। चुनाव प्रचार के दौरान जहांगीर खान और अजय पाल शर्मा के बीच हुई बयानबाजी काफी सुर्खियों में रही थी। अब एसटीएफ की कार्रवाई के बाद राजनीतिक हलकों में इस मामले को लेकर नई बहस शुरू हो गई है।

कड़ी सुरक्षा के बीच होगा नीट पुनर्परीक्षा का आयोजन

यूनिक समय, नई दिल्ली। नीट (यूजी) 2026 की पुनर्परीक्षा 21 जून को अभूतपूर्व सुरक्षा व्यवस्था के बीच आयोजित की जाएगी। पेपर लीक विवाद के बाद नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने परीक्षा को अधिक सुरक्षित और परीक्षार्थी–अनुकूल बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण बदलाव किए हैं।

एनटीए के अनुसार परीक्षा अब दोपहर 2 बजे से शाम 5:15 बजे तक चलेगी। पहले की तुलना में परीक्षा अवधि बढ़ाकर 195 मिनट कर दी गई है, जिसमें उपस्थिति दर्ज कराने और अन्य प्रशासनिक औपचारिकताओं का समय भी शामिल होगा।

परीक्षार्थियों की सुविधा के लिए प्रश्नपत्र पुस्तिका में रफ वर्क के पन्नों की संख्या दो से बढ़ाकर चार कर दी गई है। इनमें दो पेज शुरुआत में और दो पेज अंत में दिए जाएंगे, जिससे

परीक्षा अवधि बढ़ाकर 195 मिनट की

प्रश्नपत्र सुरक्षा में सीआरपीएफ और सीआईएसएफ

विशेषकर बाएं हाथ से लिखने वाले विद्यार्थियों को सुविधा मिलेगी। सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए केंद्र सरकार ने सीआरपीएफ और सीआईएसएफ को प्रश्नपत्रों और ओएमआर शीट्स के सुरक्षित परिवहन की जिम्मेदारी सौंपी है। परीक्षा सामग्री की निगरानी और सुरक्षा के लिए विशेष इंतजाम किए गए हैं। एनटीए ने अभ्यर्थियों से एडमिट कार्ड में दिए गए निर्देशों का पालन करने और परीक्षा केंद्रों पर समय से पहुंचने की अपील की है।

जमीन विवाद में माफिया ने रची खतरनाक साजिश

यूनिक समय, नई दिल्ली। कोटा जिले के 1200 वर्ष पुराने चंद्रेसल मठ के महंत देवानंद महाराज की हत्या का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। जांच में सामने आया कि इस वारदात के पीछे करोड़ों की जमीन और मठ के ट्रस्ट पर कब्जे को लेकर गहरी साजिश रची गई थी। पुलिस ने मुख्य साजिशकर्ता संतोष राय और पुष्पेंद्र सिंह को गिरफ्तार किया है, जबकि शूटर आदित्य वर्मा और अंकित बैरवा अभी फरार हैं। 5 जून की रात मठ में घुसकर सोते हुए महंत पर चाकुओं से हमला किया गया था। हत्या के लिए एक लाख रुपये की सुपारी दी गई थी।

सीबीएसई पोर्टल की खामी उजागर कर पहुंचा आईआईटी

19 वर्षीय निसर्ग बने इंटेलिजेंस इंजीनियर

यूनिक समय, नई दिल्ली। सीबीएसई के ऑन–स्क्रीन मार्किंग सिस्टम की सुरक्षा खामियां उजागर करने वाले 19 वर्षीय निसर्ग अधिकारी को आईआईटी कानपुर ने अपनी साइबर सुरक्षा टीम में शामिल किया है। 12वीं पास निसर्ग को संस्थान के टेक्नोलॉजी इनोवेशन हब में ओपन सोर्स इंटेलिजेंस और थ्रेट इंटेलिजेंस इंजीनियर नियुक्त किया गया है।

निसर्ग उस समय चर्चा में आए थे जब उन्होंने सीबीएसई के मूल्यांकन पोर्टल में मौजूद ऐसी कमजोरियों का खुलासा किया था, जिनके जरिए कोई भी व्यक्ति शिक्षक या परीक्षक के रूप

में लॉगिन कर सकता था। इससे परीक्षा मूल्यांकन से जुड़े संवेदनशील डेटा तक पहुंच संभव थी।

खास बात यह रही कि निसर्ग ने इन कमियों का दुरुपयोग नहीं किया। उन्होंने पूरी जानकारी भारतीय कंप्यूटर इमरजेंसी रिस्पॉन्स टीम को सौंपी और अपने

एथिकल हैकिंग से मिली बड़ी पहचान

ब्लॉग के माध्यम से भी सुरक्षा खामियों की ओर ध्यान आकर्षित किया।

आईआईटी कानपुर के विशेषज्ञों ने उनकी तकनीकी क्षमता का मूल्यांकन करने के बाद उन्हें नियुक्त किया। अब निसर्ग वेबसाइट और एप्लिकेशन की सुरक्षा जांच, साइबर खतरों के विश्लेषण तथा सुरक्षा समाधान विकसित करने में योगदान देंगे। कम उम्र में मिली यह उपलब्धि युवाओं के लिए प्रेरणा बन गई है।

जनता की आवाज को कांग्रेस मजबूती से उठाती रहेगी : अजय

पत्रकारों से वार्ता करते कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय। साथ हैं पूर्व विधायक प्रदीप माथुर एवं अन्य।

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, वृंदावन। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने शुक्रवार को नगर के एक होटल में मथुरा–वृंदावन महानगर कमेटी की कार्यकारिणी की बैठक ली। बैठक में संगठन की मजबूती, जनहित के मुद्दों और आगामी कार्यक्रमों को लेकर पदाधिकारियों- कार्यकर्ताओं से चर्चा की।

प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि कांग्रेस जनसरोकारों के मुद्दों को लेकर निरंतर संघर्ष कर रही है और जनता की आवाज को मजबूती से उठाती रहेगी। उन्होंने कार्यकर्ताओं का आह्वान किया कि वे जनता के बीच जाकर उनकी समस्याओं को पार्टी मंच पर लाएं और संगठन को और अधिक मजबूत बनाएं। पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए उन्होंने मथुरा–वृंदावन क्षेत्र की ज्वलंत समस्याओं को प्रमुखता से उठाया। यमुना के बढ़ते प्रदूषण पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि कांग्रेस यमुना को निर्मल-अविरल बनाने के लिए व्यापक जन–जागरण और जनसंघर्ष का अभियान चलाएगी।

उन्होंने कहा कि यमुना करोड़ों लोगों की आस्था का केंद्र हैं, किंतु सरकार की उदासीनता के कारण उनकी स्थिति लगातार खराब होती जा रही है।

मथुरा–वृंदावन की चरमराई यातायात व्यवस्था पर भी सरकार और प्रशासन को घेरते हुए उन्होंने कहा कि स्थानीय नागरिकों के साथ–साथ देश–विदेश से आने वाले लाखों श्रद्धालु प्रतिदिन घंटों जाम में फंसने को मजबूर हैं। ट्रैफिक प्रबंधन की विफलता के कारण लोगों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ रहा है, जबकि सरकार इस गंभीर समस्या के समाधान के प्रति संवेदनशील नहीं दिखाई देती।

पूर्व विधायक प्रदीप माथुर ने मथुरा–वृंदावन की मूलभूत समस्याओं की लगातार अनदेखी पर चिंता जाहिर की। आरोप लगाया कि जनसुविधाओं से जुड़े मुद्दों पर सरकार पूरी तरह विफल साबित हुई है। कांग्रेस जनता के हितों की रक्षा के लिए निरंतर संघर्ष करती रहेगी।

मथुरा–वृंदावन महानगर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष यतेंद्र मुकद्दम ने प्रदेश अध्यक्ष का स्वागत किया। प्रदेश अध्यक्ष ने ठाकुर बांके बिहारी, ठाकुर राधारमण महाराज के दर्शन कर प्रदेश-देश की सुख–समृद्धि, शांति और खुशहाली की कामना की। सायंकाल प्रदेश अध्यक्ष कार्यकर्ताओं के साथ गोवर्धन पहुंचे।

इस अवसर पर पूर्व जिलाध्यक्ष सोहन सिंह सिसोदिया, जिलाध्यक्ष मुकेश धनगर, दीपक पाराशर, नूतन बिहारी पारीक, बृजेश शर्मा, वीरेंद्र सिसोदिया, शशिकात सारस्वत, स्वामी अवधेश शर्मा, श्वेता गोस्वामी, लता चौहान, प्रकाश शर्मा, राहुल चतुर्वेदी, चंद्र मोहन जायसवाल, उमेश शर्मा, रामबाबू शर्मा, दीपक वार्ष्णेय, तौफीक कुरैशी, गुड्डन कुरैशी, दीपक पाठक, कमल शर्मा, आशीष अरोड़ा, राहुल अरोड़ा, कमलेश चौधरी, चौधरी ज्ञान सिंह, अजय शर्मा, विष्णु दान शर्मा, अनंताचार्य, रामबाबू कर्दम, डा.आजाद बेग, सैयद साबिर और जीतू सिसोदिया आदि उपस्थित थे।

कांग्रेस नेता ने यमुना के प्रदूषित होने पर जताई चिंता

वसूली कांड में दरोगा गिरफ्तार फरार आरोपियों पर इनाम घोषित

यूनिक समय, मथुरा। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्लोक कुमार के निर्देश पर जैत थाना क्षेत्र में अवैध वसूली और अवैध पार्किंग संचालन के मामले में बड़ी कार्रवाई की गई है। जांच में आरोप सही पाए जाने पर थाना जैत में तैनात एक सब–इंस्पेक्टर को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

पुलिस जांच में सामने आया कि मामले में कुछ अन्य लोग भी शामिल थे। इनमें अलीगढ़ के दो हिस्ट्रीशीटर आरोपी फरार चल रहे हैं। उनकी गिरफ्तारी सुनिश्चित करने के लिए एसएसपी ने दोनों पर 25–25 हजार रुपये का इनाम घोषित किया है। पुलिस की विशेष टीमें संभावित ठिकानों पर लगातार दबिश दे रही हैं।

एसएसपी श्लोक कुमार ने स्पष्ट कहा कि जनपद में कानून–व्यवस्था से खिलवाड़ करने वाले किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा और दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई जारी रहेगी।

ठाकुरजी के ब्यावले ने भक्तों को किया भाव–विभोर

यूनिक समय, मथुरा। पुष्टिमार्गीय परंपरा के प्रमुख तीर्थस्थल श्री ठाकुर द्वारकाधीश मंदिर में अधिक मास में आज ठाकुरजी के ब्यावले (विवाह) का भव्य मनोरथ श्रद्धा और उल्लास के साथ हुआ। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने ठाकुरजी के अलौकिक दर्शन कर स्वयं को धन्य महसूस किया। ठाकुरजी के ब्यावले विवाह का मनोरथ आयोजित किए गए और मनोरथ के दौरान ठाकुरजी को भव्य विवाह मंडप में विराजमान कर वैदिक रीति–रिवाजों से विवाह की संपूर्ण रस्में संपन्न कराई गईं। मंदिर परिसर को आकर्षक सजावट से सजाया गया था, जिससे वातावरण पूरी तरह भक्तिमय हो उठा। कार्यक्रम संयोजन सफायर इंटरनेशनल ग्रुप एवं उसके सहयोगियों द्वारा किया गया। मीडिया प्रभारी राकेश तिवारी ने बताया कि अधिक मास के अंतर्गत मनोरथों की श्रृंखला निरंतर जारी रहेगी। शनिवार को प्रातः ग्वाल दर्शन में ठाकुरजी स्वर्ण पालने में विराजमान होकर भक्तों को दर्शन देंगे, जबकि सायंकाल शयन दर्शन के समय भव्य फूल मंडली का आयोजन किया जाएगा।

मंदिर द्वारकाधीश में ठाकुरजी के ब्यावले का दृश्य।

प्रसाद वितरित करते जायंट्स ग्रुप आफ मथुरा पदाधिकारी।

जायंट्स ग्रुप ऑफ ने बांटा प्रसाद

यूनिक समय,मथुरा। जायंट्स ग्रुप ऑफ मथुरा द्वारा पुरुषोत्तम मास में दान–पुण्य आज प्रदीप फौजदार की अध्यक्षता में डीगगेट स्थित हनुमान मंदिर अलग–अलग तरह के प्रसाद बांटा गया।

इस मौके पर संस्था के पदाधिकारियों ने कहा कि अधिक मास चल रहा है,इससे अच्छा माह कब आ आएगा। इस मौके पर अंजना, यादवेंद्र अग्रवाल, रचना,मनीष अरोड़ा, अनुपमा, राजीव अग्रवाल, डॉ.अशोक अग्रवाल, मिताली फौजदार, गरिमा,आशीष साहू, बीना, रवि गर्ग, छाया, उमेश अग्रवाल का सहयोग सराहनीय रहा।

एकादशी पर लगाया भंडारा और स्वास्थ्य शिविर

यूनिक समय, राया। बलदेव मार्ग गांव कारब में कोल्ड स्टोरेज पर एक माह से परिक्रमार्थियों के लिए डॉ. रघुराज चौधरी द्वारा लगाए गए स्वास्थ्य शिविर का एकादशी को भंडारे के साथ समापन हो गया। यहां प्रतिदिन परिक्रमार्थियों के लिए जूस ठंडाई भोजन वितरित किया जा रहा था। इस अवसर पर हरिओम सिंह शिविर में सहयोग करने वालो को स्मृतिचिन्ह देकर सम्मानित किया। इस मौके पर ओमप्रकाश सिंह, भूपेंद्र सिंह,जय चौधरी, लोकेश चौधरी, कैलाश शर्मा और यशपाल सिंह आदि मौजूद थे।

वृंदावन में जाम मुक्ति जनजागरूकता अभियान शुरू

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, वृंदावन। धार्मिक नगरी वृंदावन को जाम की समस्या से मुक्त कराने के उद्देश्य से चलाए जा रहे प्रयासों को जनसहयोग से और अधिक प्रभावी बनाने के लिए वृंदावन सिविल सोसाइटी के तत्वावधान में आवाज उठाओ, जाम हटाओ जनजागरूकता अभियान का शुभारंभ किया गया।

नगर निगम चुंगी चौराहे से शुरू हुए इस अभियान के अंतर्गत जागरूकता वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया, जो नगर के विभिन्न क्षेत्रों में भ्रमण कर लोगों को यातायात व्यवस्था सुधारने और जाम मुक्ति अभियान में सहयोग के लिए प्रेरित करेगा।

सिटी मजिस्ट्रेट अनुपम कुमार मिश्रा ने कहा कि वृंदावन विश्व प्रसिद्ध धार्मिक नगरी है, जहां प्रतिदिन हजारों श्रद्धालु- पर्यटक दर्शन के लिए पहुंचते हैं। ऐसे में यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखना प्रशासन की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि जाम की समस्या केवल प्रशासनिक कार्रवाई से समाप्त नहीं हो सकती, इसके लिए आमजन, व्यापारियों, वाहन चालकों और श्रद्धालुओं का सहयोग भी उतना ही आवश्यक है। यदि सभी नागरिक यातायात नियमों का पालन करें और सड़कों-मार्गों पर अतिक्रमण न करें तो जाम की समस्या पर काफी हद तक नियंत्रण पाया जा सकता है।

नगर निगम के उपसभापति मुकेश सारस्वत ने कहा कि वृंदावन की पहचान उसकी आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विरासत से है, लेकिन बढ़ती भीड़ और अनियोजित यातायात व्यवस्था के कारण नगर को जाम की गंभीर समस्या का सामना करना पड़ रहा है।

नगर निगम और प्रशासन संयुक्त रूप से इस दिशा में लगातार कार्य कर रहे हैं। उन्होंने लोगों से प्रशासन की कार्रवाई में सहयोग करने और जाम मुक्त वृंदावन के संकल्प को सफल बनाने का आह्वान किया। इस मौके पर

व्यापारी नेता धनेंद्र अग्रवाल बॉबी, पवन ठाकुर ने व्यापारिक संगठनों की ओर से प्रशासन को हर संभव सहयोग दिए जाने का भरोसा दिलाया। इस मौके पर वृंदावन सिविल सोसाइटी के प्रतिनिधि जितेंद्र सिंह राणा ने बताया कि अभियान के अंतर्गत जागरूकता वाहन नगर के प्रमुख मार्गों, बाजारों, चौराहों और भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में भ्रमण करेगा।

लोगों ने वृंदावन को जाम मुक्त बनाने के लिए सामूहिक प्रयास करने का संकल्प लिया। इस मौके पर सिविल सोसाइटी के सदस्य अभय वशिष्ठ ,विवेक आचार्य, अतुल श्रीवास्तव, डॉ व्यास, विजय रिणवा,दीपक पाराशर विष्णु शर्मा ,रवि यादव, अमित शर्मा ,सोहन सिंह सिसोदिया,वैभव अग्रवाल, रामबाबू दास,विनोद बनर्जी , गोविंद शर्मा,

अजय अग्रवाल मूर्ति वाले, बंटी पंडित, शाहिद कुरैशी, हरीश गुप्ता, हाशिम खान, मुकेश सैनी, विकास ठाकुर, भरत अग्रवाल उपस्थित थे।

वृंदावन को जाम से मुक्ति दिलाने के लिए जनजागरुकता अभियान का शुभारंभ करते सिटी मजिस्ट्रेट अनुपम कुमार मिश्रा, साथ हैं वृंदावन सिविल सोसायटी के अभय वशिष्ठ आदि।

वृंदावन में जाम मुक्ति के लिए जनजागरूकता अभियान शुरु

ब्रज सेवा फाउंडेशन की बागेश्वर धाम यात्रा सफलतापूर्वक संपन्न

ब्रज सेवा फाउंडेशन के बागेश्वर धाम यात्रा में शामिल हुए एमएमआई राहुल।

यूनिक समय, मथुरा। ब्रज सेवा फाउंडेशन द्वारा पुरुषोत्तम मास में दो दिवसीय बागेश्वर धाम यात्रा श्रद्धा, भक्ति एवं आध्यात्मिक उत्साह के साथ सफलतापूर्वक संपन्न हुई। यात्रा में सम्मिलित सभी श्रद्धालुओं ने पुरुषोत्तम मास की एकादशी पर सर्वप्रथम बेतवा गंगा में पावन स्नान कर पुण्य कमाया। ओरछा स्थित श्री रामलला सरकार के दिव्य दर्शन कर प्रभु का आशीर्वाद प्राप्त किया। मुख्य आकर्षण बागेश्वर धाम सरकार में पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री से आर्शीवाद लिया। आचार्य सुमंत कृष्ण शास्त्री ने कहा कि पुरुषोत्तम मास भगवान श्रीहरि विष्णु को अति प्रिय था। इस पवित्र मास में जप, तप, दान, सेवा, सत्संग, कथा श्रवण एवं तीर्थयात्रा का फल अनेक गुना बढ़ जाता है। संस्था के लोगों ने बताया कि धीरेंद्र शास्त्री ने कहा कि दिसंबर माह में कार्य क्रम किया जाएगा। इस मौके पर योगिता,चंद्र शेखर,भावना, राहुल, रश्मि अमित, तन्मय, कृष्ण गोपाल, बबीता, उज्ज्वल, सुची, गौरव, चंचल, नितिन, शालू, शोभा, दीपक, पुरु, रिदम, सचिन, श्वेता, अभिषेक, नम्रता, अमित, संगीता, विपिन, सोनल,अवधेश आदि ने भाग लिया।